उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः17 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 25 मई-2026

अंदर के पृष्ठ पर

मंदिरों से मोहल्लों तक पहुंची जनगणना टीम, शुरू हुई भवनों की गिनती 8

नीट छात्रा से दरिंदगी: अजय राय बोले न्याय के लिए घेरेंगे पीएम आवास 5

कर्नाटक: उत्तर कन्नड़ में नदी में डूबने से सात महिलाओं समेत आठ की मौत

» बीपीएस न्यूज

बंगलूरू। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले की थट्टे हक्कालु नदी में तेज बहाव में बह जाने से एक ही परिवार के आठ लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं,दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रत्येक मृतक के सबसे नजदीकी परिजन को पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

दो लोग अब भी लापता

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिराली गांव के लगभग 14 लोग नदी में मीठे पानी की सीप (मसल्स) इकट्ठा करने के लिए उतरे थे, जो स्थानीय समुदायों की ओर से नदी किनारे किया जाने वाला एक मौसमी काम है। इस दौरान वे पानी के स्तर का सही अंदाजा लगाए बिना नदी के गहरे हिस्से में चले गए। जब पानी का बहाव अचानक तेज हुआ तो एक या दो लोग बहने लगे। इसके बाद कुछ अन्य लोग उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गए, जिससे और अधिक लोग तेज बहाव की चपेट में आ गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब तक आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं।

पीएम मोदी ने की मुआवजे की घोषणा

कर्नाटक के करवार जिले में हुई दुखद घटना के बारे में सुनकर मैं गहरे सदमे में हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

मृतकों में कौन-कौन शामिल हैं?

मृतकों की पहचान उमेश मनजुनाथ नाइक (40 वर्षीय), लक्ष्मी महादेव नाइक (42 वर्षीय), लक्ष्मी जतप्पा नाइक (30 वर्षीय), लक्ष्मी अप्पन्ना नाइक (60 वर्षीय), लक्ष्मी शिवराम नाइक (49 वर्षीय), ज्योति मस्तम्मा नाइक (34 वर्षीय), मालती नाइक (38 वर्षीय) और मस्तम्मा नाइक (60 वर्षीय) के रूप में हुई है।

दो लोगों को बचा लिया गया है, जिनमें नागरत्ना और महादेवी शामिल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव दल, पुलिस टीम और स्थानीय लोग लगातार नदी में सघन खोज अभियान चला रहे हैं। मृतक भटकल तालुक के शिराली गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बारिश के कारण तेज हुआ नदी का बहाव

सूत्रों के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ, जब बारिश के कारण नदी का बहाव तेज हो गया और लोग मसल्स इकट्ठा करते हुए गहरे पानी में चले गए। सूत्रों ने बताया, मीठे पानी की सीप इकट्ठा करना कुछ लोगों के लिए आजीविका का साधन है। इनमें से कई लोग इस काम में अनुभवी थे और पहले भी ऐसा करते रहे थे। अधिकारियों को अभी यह पता लगाना बाकी है कि मृतकों में से कितने लोग तैरना जानते थे और पूरी घटना कैसे हुई।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दुख जताया

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वह इस अत्यंत दुखद घटना से दुखी हैं और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, मानवीय आधार पर राज्य सरकार इस त्रासदी में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच लाख रुपये की सहायता राशि देगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुछ अन्य लोग अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी भगवान से प्रार्थना करें कि लापता लोग सुरक्षित लौटकर अपने परिवारों से मिलें।कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी इस घटना पर शोक व्यक्त किया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने भी इन मौतों पर संवेदना जताई।

10 साल की बच्ची से हैवानियत से बच्ची की मौत पर सड़क से सदन तक आक्रोश

» बीपीएस न्यूज

तमिलनाडु। शव को बाद में कन्नामपलयम तालाब के पास फेंक दिया गया, जिसे शुक्रवार को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज और ईएसआई अस्पताल भेज दिया गया है। आरोपी की पहचान कार्तिक के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ पुलिस ने उसके सहयोगी मोहन राज को भी गिरफ्तार कर लिया है।

उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पीओसीएसओ अधिनियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है।

पुलिस ने बताया कि गुरुवार से लापता 10 वर्षीय लड़की का शव शुक्रवार को कोयंबटूर के सुलूर इलाके में मिलने के बाद शनिवार को तमिलनाडु भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस के अनुसार, लड़की गुरुवार शाम किराने का सामान खरीदने के लिए घर से निकली थी, तभी आरोपियों ने उसे दोपहिया वाहन पर अगवा कर लिया और उसकी हत्या कर दी। शव को बाद में कन्नामपलयम तालाब के पास फेंक दिया गया, जिसे शुक्रवार को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज और ईएसआई अस्पताल भेज दिया गया है। आरोपी की पहचान कार्तिक के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ पुलिस ने उसके सहयोगी मोहन राज को भी गिरफ्तार कर लिया है।

उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पीओसीएसओ अधिनियम के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है।हालांकि, लड़की की हत्या से तमिलनाडु में भारी आक्रोश फैल गया है और लोग राज्य भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। तमिलनाडु सरकार ने लड़की के परिवार से संपर्क साधा है और मंत्री एमएस संपत ने उनसे मुलाकात कर कहा है कि आरोपियों को मौत की सजा दी जाएगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि मैंने पुलिस को घटना की गहन और त्वरित जांच करने और तत्काल आरोपपत्र दाखिल करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए दृढ़ कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री विजय ने संज्ञान लिया बख्शे नहीं जाएंगे अपराधी

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लड़की के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना से अत्यंत पीड़ा हुई है और समाज में इस तरह के अमानवीय और अक्षम्य आपराधिक कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पश्चिम बंगाल के फालता में ममता का आखरी किला ढहा भाजपा की ऐतिहासिक जीत

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना के फलता विधानसभा क्षेत्र में हुए पुनर्मतदान की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी बढ़त बना ली है। रविवार दोपहर तक दसवें राउंड की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा उम्मीदवार देवांशु पंडा करीब 38 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी दूसरे स्थान पर है, जबकि तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर खान चौथे स्थान पर बने हुए हैं।डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय में सुबह नौ बजे से मतगणना शुरू हुई। कुल 19 टेबल पर 21 राउंड में वोटों की गिनती हो रही है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई काउंटिंग एजेंट मतगणना केंद्र में मौजूद नहीं है। भाजपा, माकपा और कांग्रेस के एजेंट केंद्र में मौजूद हैं।पहले राउंड से ही भाजपा ने बढ़त बना ली थी। शुरुआती राउंड में भाजपा को नौ हजार वोटों की बढ़त मिली। दूसरे राउंड के बाद यह बढ़त 15 हजार के पार पहुंच गई। चौथे राउंड तक भाजपा उम्मीदवार देवांशु पंडा को 25 हजार 438 वोट मिले थे, जबकि माकपा उम्मीदवार शंभूनाथ कुड़मी को 11 हजार 345 वोट प्राप्त हुए। कांग्रेस उम्मीदवार अब्दुर रज्जाक मोल्ला तीसरे स्थान पर रहे। तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान को उस समय केवल एक हज़ार 405 वोट मिले थे।सातवें राउंड के बाद भाजपा की बढ़त 26 हजार वोट तक पहुंच गई और दसवें राउंड तक यह आंकड़ा 38 हजार के पार चला गया।उल्लेखनीय है कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण में फलता में मतदान हुआ था, लेकिन व्यापक धांधली के आरोपों के बाद निर्वाचन आयोग ने मतदान रद्द कर पुनर्मतदान कराने का फैसला लिया था। मतदान से 48 घंटे पहले तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव से खुद को अलग कर लिया था। वहीं, भाजपा उम्मीदवार देवांशु पंडा के समर्थन में विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने जोरदार प्रचार किया था।

इधर, रविवार सुबह कोलकाता नगर निगम ने शहर के विभिन्न इलाकों में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर अभियान भी शुरू किया। बेलघरिया, तिलजला और कसबा समेत कई इलाकों में अवैध इमारतों को गिराने की कार्रवाई की गई।

नींव खुदाई में निकला चांदी के सिक्कों से भरा घड़ा!

» ब्रिटिशकालीन 42 सिक्के जब्त मजदूरों के दावे ने चौंकाया

» मौके पर पहुंचा प्रशासन, निर्माण कार्य रुकवाया

» बीपीएस न्यूज

दमोह। दमोह के फुटेरा वार्ड में निर्माणाधीन मकान की खुदाई के दौरान ब्रिटिशकालीन चांदी के सिक्के मिलने से सनसनी फैल गई। मजदूरों ने 30-35 किलो सिक्के मिलने और छिपाने का आरोप लगाया, जबकि मकान मालिक ने इसे गलत बताया। प्रशासन ने 42 सिक्के जब्त कर जांच शुरू की। पुरातत्व विभाग ने सिक्कों को ब्रिटिशकालीन बताया है।

दमोह शहर के फुटेरा वार्ड क्रमांक-3 में एक निर्माणाधीन मकान की खुदाई के दौरान ब्रिटिशकालीन चांदी के सिक्के मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मामला उस समय और ज्यादा चर्चाओं में आ गया, जब यहां काम कर रहे मजदूरों ने दावा किया कि जमीन से केवल 42 नहीं, बल्कि करीब 35 किलो चांदी के सिक्के निकले थे, जिन्हें कथित रूप से छिपा लिया गया।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के फुटेरा इलाके की है, जहां शासकीय शिक्षक आलोक सोनी के पैतृक मकान में पिलर की खुदाई का काम चल रहा था। मजदूर नींव खोद रहे थे, तभी जमीन के भीतर मिट्टी में दबा एक हंडा (घड़ा) मिला। बताया जा रहा है कि हंडे के भीतर पुराने चांदी के सिक्के भरे हुए थे।

सिक्के निकलते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

मामले में नया मोड़ तब आया, जब मजदूर हीरा पटेल ने गंभीर आरोप लगाए। मजदूर का कहना है कि खुदाई के दौरान एक बाल्टी भरकर चांदी के सिक्के निकले थे, जिनका वजन करीब 30 से 35 किलो तक हो सकता है। आरोप है कि सिक्के मिलने के बाद मजदूरों को 500-500 रुपये देकर वहां से भगा दिया गया। मजदूर हीरा पटेल ने दावा किया कि प्रशासन को पूरी जानकारी नहीं दी गई और बड़ी मात्रा में सिक्के गायब कर दिए गए। हालांकि मकान मालिक आलोक सोनी ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जितने सिक्के मिले, सभी प्रशासन को सौंप दिए गए हैं। उन्होंने उल्टा मजदूरों पर ही कुछ सिक्के छिपाने का शक जताया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में रेलवे लाइन के पास बड़ा धमाका, 20 लोग घायल

» बीपीएस न्यूज

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को रेलवे लाइन के पास हुए एक जोरदार विस्फोट में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाका क्वेटा स्थित चमन फाटक रेलवे स्टेशन के नजदीक हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट की चपेट में आने से एक ट्रेन को आंशिक नुकसान पहुंचा है, जबकि आसपास खड़े करीब 10 वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों की खिड़कियों और शीशों के कांच टूट गए।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घटना के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने क्वेटा के सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को तत्काल ड्यूटी पर बुला लिया।

रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा के मद्देनजर पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर ही रोक दिया।पाकिस्तान के गृह मंत्री के प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोट के बाद सभी संबंधित एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाएं ताकि राहत और बचाव कार्य में कोई बाधा न आए।

एआई की मदद से आतंकी साजिश! लाल किला कार ब्लास्ट जांच में बड़ा खुलासा

» 14 मई को दाखिल किए गए 7,500 पन्नों के विस्तृत आरोपपत्र का हिस्सा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण की जांच में सामने आया है कि अल-कायदा नाम के वैश्विक आतंकवादी संगठन की एक शाखा से जुड़े एक आरोपी ने कृत्रिम मेधा मंच का कथित तौर पर इस्तेमाल आतंकवादी साजिश रचने के लिए किया था। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों ने रॉकेट इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस भी बनाए थे और जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड जंगल में उनका परीक्षण किया था।

ये चौंकाने वाले निष्कर्ष एनआईए द्वारा 14 मई को दाखिल किए गए 7,500 पन्नों के विस्तृत आरोपपत्र का हिस्सा हैं। यह आरोपपत्र पिछले साल 10 नवंबर को राजधानी में हुए आईईडी विस्फोट के संबंध में है। दिल्ली में एनआईए की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में सभी बातों का विस्तृत विवरण दिया गया है। आरोपपत्र में आईईडी को बनाने और उपयोग के लिए आरोपियों द्वारा अपनाई गई लगभग प्रयोगशाला-स्तरीय और सावधानीपूर्वक कार्यप्रणाली का भी जिक्र किया है।

आरोपपत्र में नामजद आरोपियों में से एक अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) आतंकी मॉड्यूल का इंजीनियर निकला। इस

आतंकी मॉड्यल का संबंध भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा से है। गृह मंत्रालय द्वारा एक्यूआईएस और उसके सभी संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया जा चुका है। आरोपपत्र में बताया गया कि आरोपी जासिर बिलाल वानी 2024-25 के दौरान दो से तीन बार हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर में रुका था, ताकि साजिश के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर सके।

विश्वविद्यालय में कार्यरत तीन चिकित्सक विस्फोट में कथित तौर पर शामिल थे, जिसके बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने विश्वविद्यालय की भूमिका पर सवाल उठाए। डॉ. आदिल अहमद राथर ने जासिर को डॉ. उमर उन नबी से मिलवाया था। उमर उन नबी इस मामले में एक अन्य प्रमुख आरोपी और विस्फोटक से भरी कार का चालक था।

विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। एनआईए की जांच में सामने आया कि आदिल ने जासिर को आईईडी बनाने की सामग्री की आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जबकि डॉ. उमर ने रॉकेट आईईडी पर शोध

वोट लूटकर सत्ता में बैठे लोग, ममता ने 150 सीटों पर गड़बड़ी का दावा दोहराया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने वोट लूट, ईवीएम में गड़बड़ी और चुनाव बाद हिंसा का दावा करते हुए प्रशासन और लोकतंत्र की स्थिति पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी की गई और वोटों की लूट हुई, जिसके कारण उन्हें काउंटिंग सेंटर से बाहर कर दिया गया।ममता बनर्जी ने दावा किया कि लगभग 150 सीटों पर परिणामों में हेरफेर किया गया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो उनकी पार्टी 220 से 230 सीटें जीत सकती थी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि वास्तव में विपक्ष चुनाव जीता है तो लोग संतुष्ट क्यों नहीं हैं? कुछ लोग माथे पर पट्टी बांधकर बाइक में निकल रहे हैं और लोगों के घर और पार्टी दफ्तरों को लूट रहे हैं। मां-बहनों के आत्मसम्मान को लूट रहे हैं। लोग खुलकर बोल भी नहीं पा रहे हैं।

चुनाव बाद हिंसा और प्रशासन पर गंभीर आरोप

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव परिणामों के बाद हिंसा और अराजकता का माहौल है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को ईदुल अजहा की दिली मुबारकबाद

संपादक

(बी.पी.साहू)

मो-8423454502,

व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय .....

आपदा मानकर तैयारी बढ़ाने की जरूरत

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है।

विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है,लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए।

ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है।

इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

सुपरफूड बनते ही खास हो जाता है आम का खाना

डा0 विमल सचदेवा

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री द्वारा खरीदने से झालमूड़ी चर्चा में है, चिंता है कि कहीं अतंर्राष्ट्रीय कम्पनियां इसे सुपरफूड न साबित कर दें। जैसे ही किसी खाद्य पदार्थ को सुपरफूड घोषित किया जाता है, वह अक्सर आम आदमी की पहुंच से दूर हो जाता है।

हरियाणा में रहने वाले निकट के परिवार की बहू का बचपन कोलकाता में बीता है। गुड़गांव में एक बहुराष्ट्रीय निगम में काम करती है, लेकिन नाश्ते में उसकी पहली पसंद झालमूड़ी है। एक बार बहुत साल पहले कोलकाता गई थी, तो झाझा स्टेशन पर लौकी के बराबर का खीरा और झालमूड़ी भी खाई थी। यह इतनी पसंद आई कि कोलकाता में हर दिन इसे खाती रही। यों भी कोलकाता में शाकाहारियों के लिए जगह-जगह मिलता यह खाद्य पदार्थ बहुत सुविधाजनक भी होता है। बंगाल के अलावा बिहार, झारखंड, उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि में भी यह लोकप्रिय खाना है। सड़क-सड़क इसे बिकते देखा जा सकता है। दिल्ली में भी खूब मिलता है। दस-बीस रुपये जेब पर भारी भी नहीं होते। साथ ही कम कैलोरी होने के कारण स्वास्थ्यवर्धक भी माना जाता है। भुने हुए चावल यानी कि मुरमुरे, जिन्हें देश के अलग-अलग भागों में कहीं लाई तो कहीं चिड़वा नाम से पुकारा जाता है। और भी बहुत से नाम होंगे। इनके साथ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, चटनी, नींबू, कच्चा सरसों का तेल और मसालों के साथ इसे बनाया जाता है। बहुत से स्थानों पर इसे भेलपूरी भी कहते हैं। घर में बनाकर भी इसे लोग खूब खाते हैं। यह सस्ता और पेट भराऊ भी होता है। कहते हैं कि इसे खाने-बनाने की शुरुआत उन्नीसवीं सदी में हुई थी। बहुत से अंग्रेज भी इसे स्वाद लेकर खाते थे।

जब से प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के दुकानदार विक्रम शा की दुकान से दस रुपये की झालमूड़ी खाई, तब से इंटरनेट पर इसे खोजने वालों की बाढ़ आ गई। मोदी ने इस घटना को एक्स पर पोस्ट भी किया था। वह शाकाहारी हैं, मछली खा नहीं सकते थे, इसलिए इसे खाकर बंगालवासियों को संदेश दिया था कि उन्हें उनके खाने-पीने से कोई परहेज नहीं है। क्योंकि इसी तरह का प्रचार विरोधी पक्ष के द्वारा किया जा रहा था कि लोगों से उनका खाना तक छीन लिया जाएगा। इस घटना को सौ मिलियन व्यूज मिले थे। इंटरनेट पर छा गया था।शायद इसलिए भी कि इस तरह की घटनाएं कभी-कभी ही होती हैं। दुकानदार विक्रम शा का कहना भी है कि उन्हें अंदाजा तक नहीं था कि कभी कोई प्रधानमंत्री, उन जैसे मामूली व्यक्ति की दुकान पर आ सकते हैं। लेकिन उन्हें इस बात का दुःख है कि वह इतना घबरा गए कि जिंदगी का एक सुनहरा मौका खो दिया, जो अब कभी नहीं मिलेगा। वह मौका था-प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर लेने का। गया, बिहार के रहने वाले विक्रम की दुकान रातोंरात मशहूर हो गई है। दूर-दूर से इसे देखने लोग आ रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं। बिक्री भी खूब हो रही है। उनके नाते-रिश्तेदार, गांव के लोग, इतनी बधाइयां दे रहे हैं कि फोन बजना ही बंद नहीं हो रहा। हालांकि, विक्रम के खिलाफ यह प्रचार भी किया गया था कि वह तो एक कमांडो हैं और यह घटना पहले से तैयार की गई थी। रातोंरात दुकान बनाई गई थी, जबकि विक्रम का कहना है कि वह तो बहुत दिनों से ये काम करते हैं। और कोई कमांडो नहीं, मामूली से दुकानदार हैं।

कैसे कोई घटना के वक्त संस्कृति, खानपान की आदतें देखकर, बहुत-सी कम्पनियां भी मैदान में कूद पड़ती हैं। वे किसी भी प्रसिद्धि को खूब भुना लेती हैं। बहुत-सी मशहूर कम्पनियां अब झालमूड़ी को पैकेट बंद खाने की तरह प्रस्तुत कर रही हैं। पांच, दस रुपये से लेकर पचहत्तर रुपये तक के पैकेट्स पेश किए जा रहे हैं। विदेश में रहने वाले एक लड़के ने बताया कि वहां के इंडियन स्टोर्स पर इसकी मांग बढ़ी है, इसलिए दुकानदार भारत से मंगा रहे हैं। हो सकता है कि दूसरे देशों में भारतीय और बहुत से विदेशी भी इसे खाना चाहेंगे। दशकों पहले अमेरिका की टाइम पत्रिका ने भारत के स्ट्रीट फूड पर एक लम्बा लेख छापा था। इसमें बताया गया था कि अपने यहां सड़क किनारे मिलने वाली खाद्य सामग्री स्वादिष्ट और उच्चकोटि की होती हैं।जिस तरह से इन दिनों झालमूड़ी चर्चा में है, वह बात हैरत में भी डालती है। पहले कोई ऐसी घटना होती थी, तो कुछ ही लोगों को पता चलती थी। लेकिन अब तो मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए यह पल की पल में न केवल अपने देश में बल्कि दुनियाभर में पहुंच जाती है। ऐसे में यह भी लग रहा है कि कहीं अतंर्राष्ट्रीय कम्पनियां इस मामले में न कूद पड़ें और इसे सुपरफूड साबित कर दें। जैसे ही किसी खाद्य पदार्थ को सुपरफूड घोषित किया जाता है, वह अक्सर आम आदमी की पहुंच से दूर हो जाता है।कुछ दिन पहले करौंदा को सुपरफूड घोषित किया गया है। अपने गांवों में करौंदे की झाड़ियां यों ही उग आती हैं। गुलाबी, सफेद, कहीं-कहीं हरे, लाल रंग के ये नन्हे फल बहुत खट्टे होते हैं। इन्हें मिर्च के साथ छौंककर, अचार डालकर, चटनी बनाकर या सब्जी, दाल में डालने के लिए सुखाकर, खटाई के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। पकने पर इसे चिड़ियां और बंदर भी खूब खाते हैं, क्योंकि तब इसका स्वाद खट्टा-मीठा हो जाता है। जब से इसे सुपरफूड घोषित किया गया है, यह बेहद महंगा हो गया है। दिल्ली में कई बार चार सौ रुपये किलो तक मिलता है। इसे सुपरफूड बनाने में कारण गिनाए गए हैं कि यह इम्यून सिस्टम को ताकतवर बनाता है। एंटी आक्सीडेंट यानी कि विषैले तत्वों का शरीर में नाश करता है। दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम से भरपूर है। कोलेस्ट्रोल को कम करता है। ब्लड प्रैशर घटाता है। तनाव कम करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। यह विदेशी बैरीज के मुकाबले भारत में आसानी से उपलब्ध है और सस्ता भी है। अब बताइए कि नन्हा-सा करौंदा और इतने गुणों से भरा, क्यों न इसकी मांग बढ़े, क्यों न महंगा हो और गरीब तथा मध्यवर्ग की थाली से दूर हो। यहां यह कहने का अर्थ यह कतई नहीं कि इस फल की विशेषताओं को लोगों को न बताया जाए या कि जो इसे बेचते हैं, उन्हें इसका पूरा दाम न मिले, लेकिन जैसे ही किसी खाने की चीज पर किसी बड़ी कम्पनी की नजर पड़ती है, वह आम लोगों के लिए दुर्लभ हो जाती है। इस प्रसंग में बाबा रामदेव की याद आती है। अपने टेलीविजन कार्यक्रमों में उन्होंने जब से घीया के फायदे बताने शुरू किए, इसके दामों में इतना उछाल आया कि खरीदना मुश्किल हो गया। इसका रस जगह-जगह मिलने लगा। कहीं यही हाल झालमूड़ी का तो न होगा।

यूपी में खुले सड़क पर नमाज करने पर नकेल कस दी

सड़को पर नमाज की मनाही, राजनीति का पारा हाई

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

भारत की विशेषता यह है कि यहां लोकतंत्र केवल संविधान की किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि जनजीवन का हिस्सा है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के बावजूद भारत ने विविधता को अपनी शक्ति बनाया है। यहां सैकड़ों भाषाएं, अनेक धर्म, संस्कृतियां और परंपराएं एक साथ जीवित हैं। यदि भारत वास्तव में इस्लाम विरोधी राष्ट्र होता, तो इतनी विविधता के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था इतनी मजबूती से कायम नहीं रह पाती। सपा और कांग्रेस के एक खास धर्म प्रेम से यूपी में भी बंगाल वाला समीकरण बन रहा। पहले शुभेन्दु अधिकारी नें बंगाल के सड़को पर नो नमाज का नियम लगाया तो योगी आदित्यनाथ नें भी यूपी में खुले सड़क पर नमाज करने पर नकेल कस दी। यह अखिलेश यादव से बर्दास्त नहीं हुआ और उन्होंने सड़क पर नमाज को खुला समर्थन देने जैसी बात कही है।

पर यूपी में भी अब नहीं चलेंगे एमवाय जैसे पुराने राजनीतिक टोटके। उत्तर प्रदेश की राजनीति तेजी से बदल रही है। कभी जातीय समीकरणों और सोशल इंजीनियरिंग के सहारे चुनाव जीतने वाली पार्टियों के सामने अब पहचान, राष्ट्रवाद और धार्मिक ध्रुवीकरण की नई राजनीति खड़ी है। ऐसे माहौल में यदि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव लगातार मुस्लिम तुष्टिकरण की छवि को मजबूत करते दिखाई देते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कहीं यूपी भी पश्चिम बंगाल की तरह तीखे हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राह पर न बढ़ जाए। वरना अगला चुनाव एकतरफा हो जायेगा। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल की राजनीति ने पूरे देश को यह संदेश दिया कि जब चुनावी विमर्श अत्यधिक धार्मिक पहचान पर केंद्रित हो जाता है, तब उसके जवाब में बहुसंख्यक समाज भी तेजी से संगठित होने लगता है।

ममता बनर्जी की राजनीति पर लंबे समय तक अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के आरोप लगते रहे और उसी के समानांतर भाजपा ने हिंदू वोटों के बड़े ध्रुवीकरण का आधार तैयार किया। अपनी अकड़ और कल्याण बनर्जी, सयानी घोष, अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा की राजनीतिक बेवकूफियों को ममता अपनी उपलब्धि समझने लगी। आज वही आशंका उत्तर प्रदेश को लेकर जताई जाने लगी है। अखिलेश यादव ईर्ष्या की आग में लगातार झुलसे जा रहे हैं। यही कारण है कि अब ÷ब्राह्मण कार्ड÷ जैसी रणनीतियां पहले जैसी प्रभावी नहीं दिख रहीं। एक समय था जब चुनाव आते ही हर किसी दल को ब्राह्मण सम्मेलन याद आता था। किसी को ठाकुर समीकरण और किसी को दलित-मुस्लिम गठजोड़। लेकिन आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक राजनीतिक रूप से सजग और वैचारिक हो चुका है।

वह पूछता है कि केवल जाति के नाम पर वोट क्यों दिया जाए ? जातियां टुकड़ों में नहीं बंट रही विराट हिन्दुत्व से जुड़ चुकी हैं। विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे भी अब निर्णायक बन चुके हैं। यदि अखिलेश की राजनीति केवल मुस्लिम वोटों के इर्द-गिर्द घूमती दिखेगी, तो भाजपा के लिए हिंदू ध्रुवीकरण और आसान हो सकता है। यही बंगाल में हुआ था, जहां भाजपा ने खुद को ÷हिंदू अस्मिता÷ के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिनिधि के रूप में स्थापित कर लिया। उत्तर प्रदेश में भी विपक्ष के हर बयान और हर राजनीतिक संकेत को इसी नजरिए से देखा जाने लगा है।

2027 की ओर बढ़ते उत्तर प्रदेश में लड़ाई केवल जातीय अंकगणित की नहीं रहने वाली। यह वैचारिक संघर्ष भी होगा और इस संघर्ष में वही दल टिकेगा जो व्यापक सामाजिक विश्वास पैदा करेगा, केवल चुनावी समीकरण नहीं। जातीय और मुस्लिम कार्ड फेल हो गए हैं। अब राजनीति भावनात्मक पहचान, राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। समाजवादी पार्टी की परंपरागत राजनीति एमवाय यानी मुस्लिम-यादव समीकरण पर आधारित रही है। लेकिन 2020 के बाद की राजनीति में हिंदू समाज के भीतर जातीय पहचान से अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का भाव उभरता दिखाई दे रहा है। अयोध्या में मंदिर निर्माण, काशी और मथुरा जैसे मुद्दों और अब सम्भल और भोजवासा ने भाजपा को एक व्यापक वैचारिक आधार दिया है। ऐसे में यदि विपक्ष केवल मुस्लिम वोट बैंक को साधने वाली भाषा बोलता दिखे, तो उसका उल्टा असर होना तय है।पश्चिमी देशों द्वारा समय-समय पर भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर उठाए जाने वाले सवाल कोई नई बात नहीं हैं। कभी धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर, कभी अभिव्यक्ति की आज़ादी के बहाने, तो कभी अल्पसंख्यकों के अधिकारों का मुद्दा उठाकर भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में भारत मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला राष्ट्र है, या फिर यह वैश्विक राजनीति और वैचारिक संघर्ष का हिस्सा है? दरअसल, भारत के खिलाफ मानवाधिकारों का नैरेटिव कई बार भू-राजनीतिक हितों से प्रेरित दिखाई देता है। जैसे-जैसे भारत आर्थिक और सामरिक रूप से मजबूत हुआ है, वैसे-वैसे उसे अंतरराष्ट्रीय दबाव में रखने के प्रयास भी बढ़े हैं।

पश्चिमी थिंक टैंक, कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान और तथाकथित मानवाधिकार संगठन अक्सर भारत की चुनिंदा घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करते हैं, जबकि सकारात्मक पक्षों को नजरअंदाज कर देते हैं। नार्वे में एक पत्रकार ने सवाल क्या पूछा, भारत में विपक्ष का रो रोकर बुरा हाल हो गया है ! भारत में रहने के बावजूद वे घोर निराशावादी नकारात्मक लोग शायद भारत का इतिहास जानते ही नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी सभ्यतागत शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रखे। नार्वे की उस कथित आधुनिकतावादी पत्रकार को हम बताना चाहते हैं कि भारत से बड़ा मनुष्यतावादी देश कोई दूसरा नहीं।केवल पश्चिमी प्रमाणपत्रों के आधार पर अपने राष्ट्र का मूल्यांकन करना उचित नहीं। मानवाधिकारों की रक्षा केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं होती, बल्कि समाज में सहिष्णुता, न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने से होती है। इस दिशा में भारत का ऐतिहासिक योगदान विश्व में अद्वितीय रहा है। सच यह है कि यदि विश्व इतिहास को निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए तो मानवाधिकारों की अवधारणा का सबसे प्राचीन और व्यापक दर्शन भारत की भूमि पर ही विकसित हुआ। ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷, ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ और ÷अहिंसा परमो धर्मः÷ जैसे सिद्धांत केवल आध्यात्मिक वाक्य नहीं, बल्कि मानव गरिमा और समानता के शाश्वत घोष हैं।जब यूरोप साम्राज्यवाद, दास व्यापार और धार्मिक नरसंहारों में उलझा था, तब भारत विश्व को सह-अस्तित्व और सहिष्णुता का मार्ग दिखा रहा था। यह भी विडंबना है कि जो पश्चिमी देश आज भारत को मानवाधिकारों का पाठ पढ़ाते हैं, उनका अपना इतिहास उपनिवेशवाद और रक्तपात से भरा पड़ा है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के करोड़ों लोगों का शोषण करने वाले यही राष्ट्र आज नैतिकता के सबसे बड़े प्रहरी बनने का दावा करते हैं। इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया में सैन्य हस्तक्षेप के नाम पर लाखों लोगों की मौत हुई, लेकिन उन घटनाओं पर वही पश्चिम अक्सर मौन दिखाई देता है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

भीषण आग के बीच लोगों को निकाला गया सकुशल बाहर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सुबह तड़के 3ः04 पर मिनी कंट्रोल द्वारा सूचना मिली कि मकान नंबर 32, 125 मनीराम बगिया थाना फीलखाना में आग लगी है सूचना को तत्काल अमल में लाते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर नगर के निर्देशन में फायर स्टेशन लाटूश रोड, कर्नलगंज, फजलगंज से कुल 05 अग्निशमन वाहन मय प्रभारी अग्निशमन अधिकारियों के अतिशीघ्र घटनास्थल पहुंचे, घटनास्थल पहुंच कर आग बुझाने का काम शुरू किया।

मौके पर देखा गया कि आग एक सकरी गली में बने 04 मंजिला भवन के भूतल पर बनी दुकानों में लगी हुई है और भवन के ऊपरी तलों कर काफी संख्या में लोग फंसे हुए हैं। घटना की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर नगर के नेतृत्व में सर्वप्रथम ऊपर फंसे लोगों को भवन की छत के रास्ते से दूसरे भवन के माध्यम से नीचे सकुशल निकाल लिया गया एवं अग्निशमन यूनिटों के अथक परिश्रम से काफी दूरी से हौज पाइप फैलाकर आग़ को घेरकर पूर्ण रूप से नियंत्रित कर आग को अन्य दुकानों में फैलने से रोकते हुए पूर्ण रूप से बुझा दिया गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

नौबस्ता पुलिस को मिली बड़ी सफलता, चोर गैंग का किया खुलासा 3 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। डीसीपी साउथ, एडिशनल डीसीपी साउथ एवं थाना नौबस्ता पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से एक सराहनीय कार्यवाही करते हुए अंतरजनपदीय वाहन चोर गैंग का खुलासा किया गया है। पुलिस टीम द्वारा कुल 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके नाम सलीम, सानू एवं वाजिद हैं।

अभियुक्तों के कब्जे से कुल 13 चोरी के वाहन बरामद किए गए हैं, जिनमें मोटरसाइकिल एवं स्कूटी शामिल हैं। बरामद वाहनों में से 08 वाहनों के संबंध में कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में अभियोग पंजीकृत पाए गए हैं। पूछताछ में प्रकाश में आया कि गैंग का एक सदस्य मोटरसाइकिल एवं स्कूटी चोरी करता था,

जबकि दूसरा अभियुक्त मिस्त्री का कार्य करता था। तीसरा अभियुक्त सानू कबाड़ी का कार्य करता है, जो चोरी किए गए वाहनों को कटवाकर उनके पार्ट्स अलग-अलग बेचने का काम करता था व कुछ मोटरसाइकिल को अवैध तरीके से बेचते थे।अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी प्रकाश में आया है। गिरफ्तार अभियुक्त सलीम एवं सानू के विरुद्ध विभिन्न थानों में कुल लगभग 15 अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस द्वारा अभियुक्तों से विस्तृत पूछताछ एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

05 वर्ष और 15 वर्ष की उम्र पूरी होने पर बच्चों के आधार को जरूर कराये बायोमेट्रिक अपडेट

» अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट हेतु आधार सेवा केंद्र, कानपुर भी जा सकते है, अगर पहला अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 5 से 07 और दुसरा 15 से 17 वर्ष के बीच नहीं कराया गया तो आधार निष्क्रिय हो सकता है एवं बच्चे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते है।

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ द्वारा बच्चों के आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक् अपडेट हेतु राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है।उक्त के विषय में सहायक प्रबंधक, आशुतोष ने बताया कि अभियान के अंतर्गत उन बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूरा करने पर बल दिया जा रहा है जो 07 वर्ष और 17 वर्ष के हो चुके हैं लेकिन अभी तक अपने आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक् अपडेट नहीं कराया हैं। यह अपडेट आधार के अंतर्गत आवश्यक है। बच्चों के आधार में अनिवार्य अपडेट हेतु विशेष आधार कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त माता-पिता या अभिभावक आधार सेवा केंद्र, कानपुर जो की बीएसएनएल कार्यालय, मॉल रोड, एसबीआई मुख्य शाखा के सामने स्थित है जाकर अपने बच्चे का अनिवार्य बायोमेट्रिक् अपडेट करवा सकते हैं। यह सेवा बच्चों के लिए निःशुल्क है।वर्त्तमान नियमों के अनुसार बच्चे के आधार में 05 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पहला और 15 वर्ष की आयु प्राप्त होने पर दुसरा बायोमेट्रिक् अपडेट (फिंगरप्रिंट, आईरिस और फोटोग्राफ) अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाना चाहिए। बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए एमबीयू का समय पर पूरा होना जरूरी है। यदि अनिवार्य बायोमेट्रिक् अपडेट (एमबीयू) समय पर पूरा नहीं किया जाता है, तो वर्त्तमान नियमों के अनुसार आधार संख्या को निष्क्रिय किया जा सकता है।यह अपडेट स्कूल में प्रवेश, प्रवेश परीक्षाओं के लिए पंजीकरण, छात्रवृत्ति का लाभ उठाने, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठाने में आधार के निर्बाध उपयोग को सुनिश्चित करता है। माता-पिता/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों/आश्रितों के बायोमेट्रिक्स को आधार में प्राथमिकता के आधार पर अपडेट कराए।

डीएम ने जनपदवासियों से की अपील बेजुबान पशु-पक्षियों का भी रखें ख्याल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच गुरुवार को कानपुर में प्रशासन का संवेदनशील और मानवीय चेहरा नजर आया। एक ओर कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए पानी से भरे सकोरे रखवाए गए, वहीं दूसरी ओर तेज धूप में लगातार ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों, होमगार्ड एवं पीआरडी जवानों के लिए ठंडे पानी और ओआरएस की व्यवस्था की गई। रेलवे स्टेशन पर रेड क्रॉस वालिंटियर्स ने लोगों को हीटवेव से बचाव के उपाय भी बताए।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मई माह के अंतिम सप्ताह में अत्यधिक तापमान और मौसम विभाग द्वारा जारी हीटवेव अलर्ट को देखते हुए सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस समय केवल इंसान ही नहीं बल्कि पशु-पक्षी भी भीषण गर्मी से अत्यधिक व्याकुल हैं। इसी संवेदनशीलता के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में पक्षियों के लिए प्रतीकात्मक रूप से पानी के सकोरे रखवाए गए।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों, छतों, दुकानों, कार्यालयों और आसपास सुरक्षित स्थानों पर किसी पात्र, नाद या सकोरे में पानी अवश्य रखें। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस दौर में एक छोटा प्रयास भी पक्षियों, गिलहरियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए जीवनदायी साबित हो सकता है।

हीटवेव के बीच फील्ड में लगातार कार्य कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों, होमगार्ड एवं पीआरडी जवानों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनसहयोग से लगभग 1000 ठंडे पानी की बोतलें और ओआरएस उपलब्ध कराए गए। विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं ड्यूटी प्वाइंट्स पर तैनात जवानों को राहत सामग्री वितरित की गई। प्रशासन का कहना है कि भीषण गर्मी में सार्वजनिक सेवाओं में लगे कर्मियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता में है।

इसी क्रम में रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव आरके सफ्फड़ के नेतृत्व में वालिंटियर्स के दल ने कानपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और आमजन को हीटवेव से बचाव के प्रति जागरूक किया। वालिंटियर्स ने लोगों को धूप में सिर ढककर निकलने, पर्याप्त पानी पीने, ओआरएस का सेवन करने तथा लंबे समय तक खाली पेट बाहर न रहने की सलाह दी। इसके साथ ही हीट स्ट्रोक के लक्षणों और प्राथमिक उपचार के तरीकों की जानकारी भी दी गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि हीटवेव के दौरान थोड़ी सी लापरवाही गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकती है। उन्होंने नागरिकों से दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करने की अपील की।

कड़ी सख्ती और निगरानी के बीच सम्पन्न हुई लेखपाल भर्ती परीक्षा

» शहर के 47 परीक्षा केंद्रो पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक हुई परीक्षा

» केंद्रों के बाहर रहा पुलिस का सख्त पहरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में लेखपाल भर्ती परीक्षा कल सम्पन्न हुई। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा कराई जा रही यह लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए शहर में 47 केंद्र बनाये गये थे, जिनमें अभ्यर्थियों ने सुबह 10 बजे से 12 बजे परी परीक्षा दी।

25 अप्रैल को होमगार्ड परीक्षा में सेंधमारी के प्रयासों को देखते हुए इस बार सख्ती बढा दी गयी थी और परीक्षा के लिए जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, एसडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिशा निर्देश जारी किए थे।

नगर में कल लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए 19 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने बनाये गये 47 केंद्रो में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा दी। इससे पहले बुधवार की रात से ही शहरें अभ्यर्थियों का आना शुरू हो गया था। बस स्टॉप और रेलवे स्टशन पर लगातार कल सुबह तक अभ्यर्थियों के आने का सिलसिला जारी रहा। होमगार्ड भर्ती परीक्षा में सेंधमारी के प्रयासों के बाद इस बार प्रशासन द्वारा सख्ती बढा दी गयी और परीक्षा केंद्रो के बाहर पुलिस का सख्त पहरा लगा रहा।

वहीं रेलवे और परिवहन निगम द्वारा भी आने वाली अभ्यर्थियों की भीड को देखते हुए सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी थी ताकि किसी प्रकार की समस्या का सामना अभ्यर्थियों को न करना पडे। परीक्षा में निगरानी के लिए सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगे रहे वहीं इस बार किसी भी बाहरी व्यक्ति को कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी नही लगायी गयी। केंद्र व्यवस्थाकों द्वारा सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र दिए गये। परीक्षा के छूटने के बाद अभ्यर्थियों की बडी संख्या के कारण परीक्षा केंद्रो के आस-पास जाम स बना रहा।वहीं अभ्यर्थियों व उनके स्वजनों के लिए साधन मिलने में थोडी परेशानी हुई। जिससे आम यात्रियों को असुविधा हुई। उधर रेलवे प्रशासन द्वारा इस परीक्षा को देखते हुए सभी व्यवस्थाऐं की गयी थी साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए व स्टेशन परसिर में हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाये गये थे।

बुजुर्गों के आयु सत्यापन को लेकर नई व्यवस्था लागू

» वृद्धावस्था पेंशन के लिए शासन ने नगरीय क्षेत्रों में दी नई सुविधा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वृद्धावस्था पेंशन बनवाने वाले शहर के बुजुर्गों के लिए शासन ने आयु सत्यापन को लेकर नई व्यवस्था लागू की है। अब नगरीय क्षेत्रों में

ऐसे बुजुर्ग, जिनके पास हाईस्कूल प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है और परिवार/कुटुम्ब रजिस्टर भी नहीं है, वे राशन कार्ड, वोटर आईडी समेत अन्य दस्तावेजों के आधार पर भी आयु सत्यापित करा सकेंगे।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पूर्व में जारी शासनादेश के अनुसार वृद्धावस्था पेंशन के लिए आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि को आयु प्रमाण के रूप में मान्य नहीं किया गया है। इसके बाद नगरीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे थे, जहां पात्र बुजुर्गों के पास न तो हाईस्कूल प्रमाणपत्र उपलब्ध था और न ही परिवार/कुटुम्ब रजिस्टर। शासन ने ऐसे मामलों को देखते हुए वैकल्पिक दस्तावेजों को मान्यता दी है।

अब नगरीय क्षेत्रों के आवेदक राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट अथवा पैन कार्ड के आधार पर आयु सत्यापित करा सकेंगे। इसके लिए आवेदक को निर्धारित प्रारूप पर स्व-घोषणा पत्र देना होगा कि उनके पास हाईस्कूल स्तर का शैक्षिक प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है तथा क्षेत्र में परिवार/कुटुम्ब रजिस्टर उपलब्ध नहीं है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह व्यवस्था केवल नगरीय क्षेत्रों के लिए लागू होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व निर्धारित व्यवस्था प्रभावी रहेगी। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नई व्यवस्था की जानकारी अधिक से अधिक पात्र बुजुर्गों तक पहुंचाई जाए, जिससे उन्हें पेंशन योजना का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

तपती गर्मी में दवा व्यापार मंडल ने राहगीरों को किया शरबत वितरण

कानपुर। दि दवा व्यापार मंडल के द्वारा बिरहाना रोड में शरबत का वितरण किया गया। शरबत वितरण कार्यक्रम में दवा व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मिलित हुए। अध्यक्ष संजय मेहरोत्रा, राजेंद्र सैनी, नंद किशोर ओझा, इकाई अध्यक्ष शुक्ला मार्केट अरुण कुमार अस्थाना, संजय शुक्ला, सुनील श्रीवास्तव, जय सियाराम आदि लोग मौजूद रहे।

ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत बैठक का आयोजन

कानपुर। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस. एम. कासिम आबिदी द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में आगामी ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत बैठक आयोजित की गई।बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात कानपुर नगर, अपर जिला मजिस्ट्रेट (नगर), अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम/अभिसूचना, महाप्रबंधक जल संस्थान, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त जोन पश्चिम, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, नगर आयुक्त, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य अभियंता केस्को, मुख्य अभियंता प्रान्तीय खण्ड/लो0नि0 विभाग, अपर नगर मजिस्ट्रेट (षष्टम) तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बिठूर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा एवं अग्नि सुरक्षा सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बच्चों के बीच बैठकर सीडीओ ने खाया मिड डे मील, फिर परखी पढ़ाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। स्कूल निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन का अलग अंदाज देखने को मिला। उच्च प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर पहुंचे सीडीओ बच्चों के बीच जा बैठे और उनके साथ मिड डे मील ग्रहण किया। थाली हाथ में लेकर उन्होंने बच्चों से पूछा- ÷दाल कैसी बनी है, रोज ऐसा ही खाना मिलता है?÷ अचानक अपने बीच अधिकारी को देखकर बच्चे भी खुलकर बातें करने लगे। किसी ने पढ़ाई अच्छी लगने की बात कही तो किसी ने भोजन की तारीफ की। विद्यालय में यह दृश्य देर तक चर्चा का विषय बना रहा।मुख्य विकास अधिकारी ने निपुण भारत मिशन के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय लोधवा खेड़ा, प्राथमिक विद्यालय कटरी शंकरपुर एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केवल अभिलेख नहीं देखे, बल्कि सीधे कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई भी परखी। बच्चों से किताब पढ़वाई गई, ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल कराए गए और उनकी भाषा व गणितीय क्षमता का परीक्षण किया गया।उच्च प्राथमिक विद्यालय शंकरपुर में उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण स्तर की जांच की। बच्चों के साथ बैठकर भोजन करने के दौरान उन्होंने उनसे विद्यालय के माहौल और सुविधाओं को लेकर भी बातचीत की।निरीक्षण के दौरान छात्र उपस्थिति पंजिका, शिक्षकों की उपस्थिति तथा बच्चों की कापियों का भी अवलोकन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नियमित नजर रखी जाए और कापियों की जांच समय से सुनिश्चित की जाए।प्राथमिक विद्यालय कटरी शंकरपुर में साफ-सफाई को लेकर उन्होंने विशेष ध्यान दिया। विद्यालय परिसर, कक्षाओं एवं शौचालयों की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ एवं सकारात्मक वातावरण मिलना जरूरी है।विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर एवं अन्य डिजिटल माध्यमों के उपयोग का भी जायजा लिया गया। उन्होंने गतिविधि आधारित शिक्षण और टीएलएम के प्रयोग की सराहना करते हुए शिक्षकों से निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा। इस दौरान बीएसए सुरजीत कुमार सिंह सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ भाजपा कानपुर दक्षिण प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

» बीपीएस न्यूज

» सांसद रमेश अवस्थी व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया मार्गदर्शन

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी कानपुर दक्षिण द्वारा आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस आयोजन संपन्न हुआ। पूरे दिन चले प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की कार्यपद्धति, राष्ट्रवाद की विचारधारा, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण वर्ग में 260 से अधिक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता के सांसद रमेश अवस्थी ने की, जबकि उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महामंत्री एवं एमएलसी अनूप गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सशक्त माध्यम है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता ÷राष्ट्र प्रथम÷ की भावना के साथ कार्य करता है।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की सक्रियता से ही संभव है और आने वाले समय में सभी कार्यकर्ताओं को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्व के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सदैव समाज और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। संगठन की विचारधारा एवं कार्यशैली को समझकर कार्यकर्ता जनता के बीच अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास, सुशासन और जनसेवा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए।

प्रशिक्षण वर्ग में वर्ग प्रभारी रंजना उपाध्याय, विधायक महेश त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, एमएलसी अरुण पाठक, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष वीना आर्य, रामदेव शुक्ल, कौशल किशोर दीक्षित, प्रकाश वीर आर्य, राजेश बाजपेयी, दिलीप सिंह सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे दिन चले विभिन्न सत्रों में संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं मार्गदर्शन दिया गया।

अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट मामले में पुलिस को मिली सफलता

कानपुर। विगत दिनों थाना रावतपुर क्षेत्र के निजी अस्पतालों में पकड़े गए अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने गीतानगर क्रॉसिंग के पास से दो अभियुक्त अखिलेश तिवारी एवं सैफुद्दीन को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ऑपरेशन के दौरान ओटी सुविधा उपलब्ध कराते थे तथा प्रति ऑपरेशन करीब ?50,000 लेते थे।पूछताछ में दोनों के डॉक्टर रोहित के संपर्क में होने तथा आहूजा हॉस्पिटल में हुए अवैध किडनी ट्रांसप्लांट में शामिल होने की बात सामने आई है। अब तक इस प्रकरण में कुल 13 अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

अब मेट्रो स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनों में मिलेंगी टिकट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब मेट्रो स्टेनों पर शहर के यात्रियों को टिकट वेंडिंग मशीन में टिकट मिलेगी, इसके लिए तेजी से तैयारियां की जा रही है और कुछ ही दिनों में मशीन सम्बन्धी सभी कार्य पूरे कर लिए जायेगे। झकरकटी से नौबस्ता तक यात्री सेवाओं के विस्तार की तैयारियों में यह मुख्य आवश्कता मानी जा रही है।

आईआईटी से नौबस्ता तक मेट्रो के कारिडोर-1 के बांकी शेष कार्य के अंतर्गत झकरकटी से लेकर नौबस्ता तक पडने वाले स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनों को लगायाजा रहा है। इस रूट पर सात स्टेशन है, जिनमें 36 वेंडिंग मशीनों को लगाया जा रहा है। इस सम्बन्ध में बताया गया कि हर अंडरग्राउंड स्टेशन पर 8 और एलिवेटेड सटेशन पर 4 टिकट बेंड्रिग मशीनों को लगाया जा रहा है।

यह भी बताया गया कि इन मशीनों के लगने के बाद टिकट काउंटरों पर यात्रियों की संख्या में कमी आयेगी और यात्री इन मशीनों के द्वारा टिकट प्राप्त कर सकेंगे। यात्री को अपने जाने वाले स्थान के स्टेशन को पहले मशीन में सेलेक्ट करना होगा और फिर मशीन में दिखाई देने वाला शुल्क जमा करना होगा। टिकट में क्यूआर कोड दिया हुआ होगा, जिसे एएफसी गेट पर स्कैन करके यात्रा की जा सकेगी।

बध्याकरण के साथ सुप्रीम कोर्ट के आदेशो के बाद मिल सकता है आवारा कुत्तो से छुटकारा

» शहर में आवारा कुत्तो के आतंक को खत्म करने के लिए नगर निगम का चल रहा अभियान

» प्रतिदिन लगभग 80 कुत्तों का किया जा रहा बध्याकरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर की सडकों, चौराहों और गलियों में आवारा कुत्तों की भरमार है। आये दिन यह हिंसक कुत्ते किसी न किसी को अपना शिकार बना लेते है। कुत्तो द्वारा काटे जाने के बाद होने वाली रेबीज के संक्रमण से मौतो की संख्या बढती जा रही है। इन कुत्तों से निजाद दिलाने के लिए नगर निगम द्वारा कुत्तो को बंध्याकरण करने का काम किया जा रहा है। वहीं अभी तक सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश था, कि जहां से कुत्ता पकडा जाये वहीं बंध्याकरण के उपरान्त उसे छोडा भी जाये।

आवारा कुत्तो के कारण आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं और उनके हिंसक प्रवृत्ति के कारण संक्रमक रोगियों की बढती संख्या को लेकर नगर निगम द्वारा कुत्ता बंध्याकरण का अभियान शुरू किया गया था। जिसके तहत प्रतिदिन 80 कुत्तों को बंध्याकरण किया जा रहा है लेकिन शहर में लगभग एक लाख तीस हजार कुत्ते है और सभी का बंध्याकरण करने में सालों लग जायेगे। बता दें कि कुत्तो का बंध्याकरण करने के लिए नगर निगम द्वारा फूलबाग व जाना गांव में स्थित दो एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर स्थापित है।जहां अभी तक 40 हजार कुत्तो का हीं बध्याकरण किया जा सका है। पहले सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश था कि जहां से कुत्तों को पकडा जाये वहीं छोडा जाये, लेकिन अब शायद जल्द ही शहरवासियों को कुत्तो के खौफ से निजाद मिल सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अब माना है कि मानव जीवन सर्वोच्च है और गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार में कुत्तो के काटने तथा उनके द्वारा हमले मानवता के विरूद्ध है। व्यक्ति को स्वतंत्र होकर घूमने का अधिकार है।इस सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवों की भलाई के मुकाबले इंसान की जान

ज्यादा कीमती है। इसी को देखते हुए बीते मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों की बढती घटनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कुत्तो को मारने (यूथनेशिया) की अनुमति दे दी है। इस आदेश के बाद नगर निगम के लिए यह राहत भरी खबर होगी। कुत्तो को पकडना और छोडना, इसमें काफी समय लग जाता है लेकिन अब आवारा कुत्तो में हिंसक और रेबीजग्रस्त कुत्तों को मारा जा सकेगा, जिससे कुत्तों की संख्या में कमी आयेगी।

केस्कों के मेगा कैंप में किया जा रहा है उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर में लोगों को बिजली विभाग से काफी शिकायते रहती है। कहीं किसी का बिल नही ठीक आ रहा है तो किसी का ज्यादा आ रहा है, किसी को मीटर कनेक्शन में असुविधा हो रही है तो कोई पेमेंट को लेकर परेशान हो रहा है। इन्ही समस्याओं के समधान में लिए केस्कों द्वारा मेगा कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

बिजली विभाग द्वारा शहरवासियों को बिजली सम्बन्धित की जाने वाली शिकायतों के समाधान के लिए मेगा कैंप लगाया गया है।

15 तारीख से शुरू हुआ कैंप 19 मई मंगलवार को नौबस्ता में लगा जहाँ स्मार्ट मीटर से जुडी अन्य समस्याओं का समाधान किया गया।

इस सम्बन्ध में बताया कि कैंप में स्मार्ट मीटर से सम्बन्धित शिकायते ज्यादा आ रही है। बताया गया कि मेगा कैंप 20 व 21 को देहली सुजानपुर हेल्पडेस्क पर लगेगा और 22 तथा 23 मई को जाजमऊ व दबौली हैल्पडेस्क पर मेगा कैंप लगाया जायेगा।

ड्रग्स सिर्फ नशा नहीं, आतंकवाद की ऑक्सीजन है : ज्योति बाबा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। हर साल मई माह में भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है आतंकवाद सिर्फ बम बारूद नहीं बल्कि देश की एकता,शांति और विकास पर हमला है, इसका मकसद आम लोगों में डर फैलाकर समाज को बांटना है यह दिवस युवाओं को संदेश देता है कि हिंसा का रास्ता कभी समाधान नहीं होता।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स के अनुसार 2023 में आतंकवाद से 8352 मौतें हुई इससे सबसे ज्यादा प्रभावित देश बुर्किना फासो,इसराइल और माली रहे। उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया, हिंदू जागरण मंच, राष्ट्रीय अटल आरोग्य संघ व सूर्योदय फाउंडेशन प्रयागराज के तत्वाधान में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर नशा मुक्ति युवा भारत थीम पर आयोजित इस संगोष्ठी शीर्षक आतंकवाद मुक्त भारत के लिए ड्रग्स एवं समाज विरोधियों पर प्रहार पर अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख,एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी योग गुरू ज्योति बाबा ने कहीं,ज्योति बाबा ने आगे कहा कि भारत सरकार कि आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीत के तहत सभी एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं नारको टेररिज्म के कारण बहुत बड़ी आर्थिक मदद के चलते आतंकवाद खूब फल फूल रहा है। भारत की असली ताकत अहिंसा और सहिष्णुता ही है।

सूर्योदय फाउंडेशन प्रयागराज के फाउंडर धीरेंद्र राय ने कहा कि ड्रग्स की तस्करी से होने वाला मुनाफा तेजी से आतंकवाद और हथियार बंद समूहों को फंड करने मे जा रहा है अभी हाल ही में ऑपरेशन रेडपिल में 227.7 किलो कैप्टागन जिसे जिहादी ड्रग कहा जाता है को पकड़ा गया है जो सीधे आई एस आई एस के लड़ाके इस्तेमाल करते हैं। पीयूष रंजन सनातनी ने कहा कि नार्को टेरर नेटवर्क अफगानिस्तान,पाकिस्तान से हीरोइन व म्यांमार से सिंथेटिक ड्रग्स भारत लाकर बेचते हैं और उसकी कमाई से आतंकवादियों को हथियार मुहैया कराए जाते हैं।घनश्याम द्विवेदी ने कहा कि भारत में हर साल पकड़ी जा रही हजारों किलो ड्रग्स और एन आई ए के खुलासे साबित करते हैं कि ड्रग्स का पैसा सीधे बम बारूद खरीदने में लगता है। डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने कहा कि कैप्टागन ड्रग्स को जिहादी ड्रग कहते हैं क्योंकि आईएसआईएस लड़ाके इसे लड़ने के लिए इस्तेमाल करते हैं। संगोष्ठी का संचालन आकाश नारायण गुप्ता संयोजन विजय मल्होत्रा व धन्यवाद डॉक्टर सुलोचना दीक्षित ने दिया। अंत में योग गुरू ज्योति बाबा ने आतंकवाद मुक्त भारत बनाने के लिए ड्रग्स से दूरी बनाने की शपथ दिलाई।

कलक्टरगंज थाना परिसर में 12 मंजिला बैरक निर्माण कार्य का भूमि पूजन हुआ संपन्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुवार को पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर के थाना कलक्टरगंज परिसर में 200 पुलिस कर्मियों हेतु प्रस्तावित (त+11) बैरक निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल कानपुर नगर द्वारा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य पूजन-अर्चन कर किया गया।यह निर्माण परियोजना पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की आधारभूत संरचना को आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत अनावासीय भवन, पार्किंग व्यवस्था, हरित क्षेत्र एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास कराया जाएगा, जिससे पुलिस कर्मियों को बेहतर आवासीय एवं कार्य वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, पुलिस उपायुक्त अपराध, थाना प्रभारी कलक्टरगंज एवं संबंधित कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बैंक कर्मचारी करेंगे 25 व 26 को देशव्यापारी हड़ताल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। इंडिया स्टॉफ फेडरेशन द्वारा उनकी लंबित मांगों को लेकर आने वाली 25 व 26 मई को देशव्यापारी हडताल की जायेगी। इससे पहले चार मई को काला फीता बांधर प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया था।

एआईएसबीआईएसएफ द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर हडताल की घोषणा कर दी गयी थी। यह हडताल मईध 25 तथा 26 तारीख को की जायेगी। हडताल के कारण इन दो दिनों में बैंकों का काम प्रभावित होगा। बताया जाता है कि यह देश व्यापी हडताल बैंकों में लंबे समय से नई नियुक्तियां न होने, संदेश वाहक, सुरक्षाकर्मी और अन्य स्टाफ की भर्ती न होने के कारण की जा रही है। बताया कि इसके अलावा कर्मचारियों की पेंशन फंउ मैनेजर बदलने का विकल्प दिए जाने की आवश्यकता है।

बतया गया कि सांतवं द्विपक्षीय समझौते के रिटायर लोगों की पेंशन में सीाी वेतन घटकों को जोडा जाये जिसे अभी तक पूरा नही किया गया है। साथ ही स्थायी प्रकृति के कार्यो को आउटसोर्स करने की प्रक्रिया को बंद किया जाये और 2019 के बाद भर्ती कर्मचारियों के लिए इंटरसर्कल ट्रासफर की अनुमति दी जाये। इस दो दिनों की हडताल का प्रभाव बैंकों की कार्य प्रणाली को प्रभावित करेगा। जिन लोगों को बैंको से प्रतिदिन का काम होता है वह इस हडताल के लिए तैयारी कर ले और पहले ही अपना कार्य निपटा ले ताकी उन्हे किसी प्रकार की परेशानी न होने पाये।

जारी हुआ हीट अलर्ट, फैला सड़कों पर सन्नाटा, ओपीडी में बढी रोगियों की संख्या

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अगले 24 घंटों के लिए हीट अलर्ट का अर्लाम बज उठा है। बीते दो दिनों से लगातार पडने वाली भयंकर धूप और लू के बाद जहां शहरवासी बेहाल हो उठे है तो वहीं अब शहर में पडने वाले हीट वेब लोगों को और परेशान कर देगा। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच शहर में बिजली का आना-जाना लोगों की परेशानी और बढा रहा है। मौसम विभाग की माने तो अभी तापमान और ऊपर जायेगा।

मौसम सूखा रहने और तेज धूप के साथ चलने वाली गर्म पछुआ हवाओं ने शहरवासियों को बहाल कर दिया। मंगलवार को सुबह से ही सूरज ने अपने तेवर कडे कर दिये और दोपहर होते-होते गर्मी और धूप के कारण शहर की सडके सूनी हो गयी। जो लोग घरों से बाहर थे वह अपने को पूरी तह कपडों से ढके हुए थे। पने, पानी और शिंकजी की दुकानों में लोगों को प्यास बुझाते देखा गया। कल कानपुर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में कई जगह तापमान 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले दो दिनों में हीट वेब का प्रकोप बना रहेगा, तापमान बढने के साथ ही लू भी चलेगी, ऐसे में लोगों को सचेत रहने की आवश्कता है। कल दोपहर में हवा की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गयी। राहगीरों को लू के थपेडे परेशान करते रहे। जब अभी यह हाल तो आने वाली 25 मई से नौतपता लगने वाले है। माना जा रहा है कि तब गर्मी चरम पर होगी। प्रदेश में पश्चिमी तथा उत्तरी दो चक्रवाती परिसंचलन केंद्र तैयार है और नमी की भी अधिकता है इसका प्रभाव यह हो सकता है कि आने वाले दिनों में मौसम में नर्मी देखी जा सकती है। फिलहाल अभी गमी और लू से राहत के कोई आसार नजर नही आ रहे है।गर्मी बढने के साथ ही लोगों का अस्पतालों में तांता सा लग गया है। शहर में एलएलआर, उर्सला, कांशीराम चिकित्सालय तथा सुपर स्पेशियलिटी ब्लाक में पेट, हडडी, त्वचा, जुखाम, उल्टी-दस्त के साथ ही सिरदर्द के मरीज बढे है। डाक्टरों का कहना है कि अधिक गर्मी के कारण और संतुलित आहार न लेने से पेट में कॉस्टिपेशन बन जाता है और गैस बनने लगती है। कहा कि गर्मी में संतुलित आहार ले और शाम को जल्दी खाना खाकर अवश्य टहले। वहीं बच्चों और बुजुर्गो को धूप में नही जाना चाहिये।अन्य लोगों को भी धूप से बचाना चाहिए और पूरी एहतियात के साथ ही बाहर निकला चाहिए। कहा कि बाहर की चीजों से परहेज करें और न ही बाहर का पानी, जूस, रस, शिंकजी आदि पिये, क्योंकि सफाई न होने के कारण इसमें वैक्टेरिया हो सकता है जो फूड प्वाइजनिंग का करण बनता है। साथ ही सर को ढके रहें और समय-समय पर पानी पिये, सिर में दर्द होने, सांस चलने, चक्कर आने, जी मितलाने, आंखों में तत्काल डाक्टर से संपर्क करे। आखों पर रंगीन चश्मा पहने। अस्पतालों में अधिकतर पेट के मरीजों की संख्या बढी है। एहतियात बरते और 11 बजे से 4 बजे तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की कोशिश करें।

बंगाल ने अपनाया 'योगी मॉडल', यूपी से मंगाए गए 24 बुलडोजर

शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद पश्चिम बंगाल में सख्त प्रशासनिक अभियान शुरू हो गया है। सिलीगुड़ी में अवैध अतिक्रमणों और अनाधिकृत ढांचों को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर विध्वंस अभियान की तैयारी शुरू हो गई है। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा ने संकेत दिया है कि जल्द ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी और पुष्टि की है कि अभियान में तेजी लाने के लिए उत्तर प्रदेश से लगभग दो दर्जन बुलडोजर मंगवाए गए हैं। सिलीगुड़ी उपमंडल कार्यालय में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक हुई, जिसमें उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम), पुलिस आयुक्त, दार्जिलिंग जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। चर्चा का मुख्य विषय कानून व्यवस्था को मजबूत करना, अवैध निर्माणों को हटाना, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना और अवैध शराब की दुकानों, बार और पबों पर कार्रवाई करना था।बैठक के बाद राजू बिस्टा ने मीडिया को बताया कि सिलीगुड़ी में बड़ी संख्या में अनाधिकृत निर्माण हो चुके हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इन अवैध निर्माणों को हटाने के लिए उत्तर प्रदेश से दो दर्जन बुलडोजर मंगवाए जा रहे हैं ताकि कार्रवाई तेजी से की जा सके।

सांसद ने सिलीगुड़ी नगर निगम के कामकाज की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह पूरे शहर में अवैध निर्माण को रोकने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही नगर निगम के अधिकारियों से इस मामले पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए बैठक करेंगे। बिस्टा ने चेतावनी दी कि सरकारी जमीन, नदी किनारे और शहर के अन्य क्षेत्रों पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को तुरंत हटाया जाना चाहिए। ऐसा न होने पर प्रशासन बुलडोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नशीले पदार्थों के नेटवर्क, अवैध नदी खनन, अनधिकृत टोल वसूली और भूमि दलाली गतिविधियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान, भाजपा नेताओं ने राज्य में तथाकथित 'योगी मॉडल' को लागू करने का बार-बार वादा किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, आपराधिक गिरोहों और अवैध अतिक्रमणों को निशाना बनाकर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया था। इस मॉडल को उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था में सुधार और भूमि माफिया गतिविधियों पर अंकुश लगाने का श्रेय दिया जाता है। अब, बंगाल में इसी तरह के उपायों की शुरुआत को राज्य में इस दृष्टिकोण को दोहराने की दिशा में पहला बड़ा कदम माना जा रहा है।

नीट छात्रा से दरिंदगी: अजय राय बोले न्याय के लिए घेरेंगे पीएम आवास

पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी से गरमाई सियासत

» बीपीएस न्यूज

महोबा। जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महोबा पहुंचे। उन्होंने पीड़िता से मिलकर हर संभव मदद का भरोसा दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पीड़िता को वह न्याय दिलाकर रहेंगे। इसके लिए चाहे उन्हें मुख्यमंत्री का घर घेरना पड़े। उन्होंने पीड़िता को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती महोबा में किराये का कमरा लेकर नीट की तैयारी कर रही थी। 30 अप्रैल को वह लाईब्रेरी से घर लौटते समय लापता हो गई थी। 16 दिन बाद युवती को पुलिस ने बरामद किया था। बरामद होने के बाद युवती ने आरोपियों पर अपहरण, दुष्कर्म व प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। पीड़िता का आरोप था कि आरोपियों ने उसे बंधक बनाए रखा।

अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित

साथ ही, नशीले इंजेक्शन दिए और सिगरेट से भी दागा। इस मामले में पुलिस ने धाराओं में बढ़ोतरी करते हुए तीन आरोपियों को जेल भेजा है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की गई हैं। युवती के बयान देने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। इसमें युवती दुष्कर्म का आरोप लगाने वाले युवक से शादी करती नजर आ रही है। इसमें स्वेच्छा से विवाह किए जाने जैसे तथ्य दिखाई दे रहे हैं।

अपराधियों ने 16 दिन तक शोषण किया

इसके अलावा अपहृता व आरोपी युवक के हाईकोर्ट में संयुक्त याचिका डाले जाने, स्वेच्छा से विवाह किए जाने और परिजनों से सुरक्षा दिए जाने की पुलिस बात कह रही है। शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महोबा पहुंचे और नीट की तैयारी कर रही छात्रा से पूरी घटना की जानकारी ली। प्रदेश अध्यक्ष ने इस घटना को शर्मनाक बताया। कहा कि छात्रा के साथ अपराधियों ने 16 दिन तक शोषण किया।

अजय राय बोले- कांग्रेस हर जगह जाएगी

नशे के इंजेक्शन लगाए। तीन मई को छात्रा का नीट का पेपर था। 30 अप्रैल को छात्रा का अपहरण कर लिया गया। वहीं, अपराधी छात्रा से जबरन शादी भी करते हैं और उसे खुद लाकर घर छोड़ते हैं। आरोप लगाया कि छात्रा को पुलिस नहीं लाई। पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी रही। कहा कि उन्हें महोबा आने से रोकने के लिए कई स्थानों पर पुलिस लगाई गई, लेकिन वह पीड़िता से मिलने पहुंचे। कांग्रेस हर जगह जाएगी।

आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए

कांग्रेस को रोक नहीं पाएंगे। जहां अत्याचार-अन्याय होगा, वहां कांग्रेस जाएगी। उनका एक-एक कार्यकर्ता डटकर खड़ा रहेगा। कहा कि उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री का घर भी घेरना पड़े तो घेरेंगे। उन्होंने छात्रा के परिवार को तत्काल 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, पुलिस सुरक्षा व आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और उनके घर पर बुलडोजर चलाया जाए।

आम आदमी पर महंगाई की डबल मार अदरक-धनिया के दाम आसमान पर

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑटो-टैक्सी और ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है, जिससे यात्रियों को परेशानी के साथ-साथ सब्जियों की आपूर्ति पर भी गहरा असर पड़ा है। आजादपुर मंडी में माल की आवक घटने से अदरक और धनिया जैसी सब्जियों के दाम दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं।

राजधानी दिल्ली में ऑटो और टैक्सी हड़ताल के चलते सब्जियों की कीमतों में भारी उछाल आया है। शुक्रवार को ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल का दूसरा दिन था और इसका असर बाजार में दिखना शुरू हो गया है। दिल्ली की सबसे बड़ी थोक मंडी - आजादपुर मंडी - में सब्जियां फिलहाल दोगुनी कीमत पर बिक रही हैं। धनिया की कीमत 40 रुपये से बढ़कर 100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। अदरक भी अब 100 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 120 से 130 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नींबू और पुदीना भी महंगे हो गए हैं।

प्याज, आलू और लहसुन का व्यापार करने वाले व्यापारी फिलहाल अपना स्टॉक बेच रहे हैं, क्योंकि आज पूरे बाजार में केवल 20 ट्रक ही पहुंचे हैं - जो दिल्ली की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। मांग बढ़ने पर प्याज की कीमत और भी बढ़ सकती है। बाजार में उपलब्ध मौजूदा स्टॉक केवल एक-दो दिन के लिए ही पर्याप्त है। बाजार में सब्जियों के प्रभाव के अलावा, दिल्ली-एनसीआर में कई परिवहन और टैक्सी यूनियनों द्वारा शहर सरकार के उपकर और सीएनजी की बढ़ती कीमतों के विरोध में गुरुवार से शुरू की गई तीन दिवसीय हड़ताल के कारण यात्रियों को कुछ क्षेत्रों में यात्रा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

23 मई तक चलने वाली यह तीन दिवसीय हड़ताल मुख्य रूप से दिल्ली सरकार के वाणिज्यिक वाहनों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर बढ़ाने के निर्णय के खिलाफ है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन और अन्य जगहों सहित राष्ट्रीय राजधानी के कुछ सबसे व्यस्त स्थानों पर यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। विरोध प्रदर्शन के तहत संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रक खड़े रहे। दिल्ली में वाणिज्यिक वाहन चालकों के संघों ने भी हड़ताल का समर्थन किया है और ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर टैक्सी और ऑटो किराए में वृद्धि की मांग की है।

परिवहन संघ के एक बयान के अनुसार, यह हड़ताल वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), अदालतों और दिल्ली सरकार द्वारा परिवहन क्षेत्र पर थोपी गई अन्यायपूर्ण और अनुचित नीतियों के विरोध में है।

26 साल बाद दर्द ताजा

साल 2000 में शादी से लौट रहा पूरा परिवार कार समेत भाखड़ा में गिरा था, अब गाड़ी में मिले कंकाल

» बीपीएस न्यूज

रूपनगर। भाखड़ा नहर से करीब 26 साल बाद एक मारुति ओमनी वैन बरामद हुई है। यह वैन वर्ष 2000 में परिवार के चार सदस्यों समेत नहर में गिरी थी। गोताखोर कमलप्रीत सैनी ने इसे खोजा।रोपड़ में भाखड़ा नहर से करीब 26 साल बाद एक मारुति ओमनी वैन बरामद की गई है। यह वही वैन है जो वर्ष 2000 में कीरतपुर साहिब क्षेत्र के गांव कोटला के एक परिवार के चार सदस्यों समेत नहर में समा गई थी। हादसे के बाद महीनों तक तलाश चली थी, लेकिन न तो शव मिले थे और न ही वाहन का कोई पता चल पाया था।जानकारी के अनुसार, अक्तूबर 2000 में गांव कोटला निवासी एक परिवार शादी समारोह से लौट रहा था। वैन में तीन वयस्क और एक आठ वर्षीय बच्चा सवार था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर भाखड़ा नहर में गिर गया। गोताखोरों और स्थानीय लोगों ने करीब एक महीने तक तलाश अभियान चलाया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

हाल ही में इलाके के समाजसेवी और गोताखोर कमलप्रीत सैनी एक अन्य व्यक्ति के शव की तलाश में भाखड़ा नहर में उतरे थे। इसी दौरान उन्हें नहर की गहराई में एक वाहन दिखाई दिया। उन्होंने वाहन को रस्सियों से बांध दिया और बाद में स्थानीय लोगों तथा ट्रैक्टर की मदद से उसे बाहर निकाला गया।

वैन की छत हो चुकी थी क्षतिग्रस्त

कमलप्रीत सैनी ने बताया कि वैन का पिछला हिस्सा और छत जंग लगने के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं जबकि अगला हिस्सा कुछ हद तक सुरक्षित मिला। उन्होंने दावा किया कि वाहन के अगले हिस्से से मानव कंकाल के कुछ अवशेष और एक कमीज भी मिली है जो संभवतः मृत बच्चे की हो सकती है।बरामद वस्तुएं परिवार को सौंप दी गई हैं। सैनी ने बताया कि नहर के तल में तेज पानी का बहाव होने के कारण वाहन को बाहर निकालना बेहद मुश्किल था। उन्होंने बाद में मृतकों के परिजनों से संपर्क किया, जिनके आग्रह पर वैन को बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। 26 साल बाद वैन के बाहर आने से गांव में पुराने हादसे की यादें फिर ताजा हो गई हैं।

डकैतों ने मचाया तांडव : पुलिस गश्त के 10 मिनट बाद ही टूट पड़े डकैत

» बीपीएस न्यूज

देवा/बाराबंकी। क्षेत्र के ग्वारी कस्बे में किराना व्यवसायी आलोक जायसवाल उर्फ हिमांशु के घर हुई डकैती सिर्फ लूट की घटना नहीं, बल्कि एक परिवार के लिए दहशत और दर्द भरी रात बन गई। डकैत भी इतने अलर्ट कि दस मिनट पहले पुलिस गश्त होते ही वह हमलावर हो गए। बदमाशों ने जमकर क्रूरता दिखाई, परिजन तो पीट ही गए, मायके आई बहनों और दो मासूम बच्चों पर भी बदमाशों को रहम न आई। बताया जा रहा कि आलोक जायसवाल की बहनें दीपिका जायसवाल और सोनाली जायसवाल कुछ दिन के लिए मायके आई थीं। परिवार के साथ समय बिताने आईं दोनों बहनों ने शायद ही सोचा होगा कि रात उनके लिए खौफनाक याद बन जाएगी। बदमाशों ने घर में घुसते ही महिलाओं को असलहों के बल पर बंधक बना लिया और विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी, मायके आई दोनों बहनें भी बदमाशों की क्रूरता का शिकार हुईं।

मारपीट में घायल सोनाली को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घर में मौजूद दो वर्षीय रुद्रांश और महज दो माह के विराज को भी बदमाशों ने पीटा। इनकी चीख-पुकार और महिलाओं की बेबसी ने घटना को भयावह बना दिया। हैरानी की बात यह भी कि घटनास्थल से चंद कदमों की दूरी पर पुलिस पिकेट मौजूद है।स्थानीय लोगों की मानें तो वारदात से करीब 10 मिनट पहले ही पुलिसकर्मी वहां से गए थे। इसके तुरंत बाद बदमाशों ने धावा बोल दिया। चर्चा है कि बदमाश पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखते हुए मौके का इंतजार कर रहे थे। इस घटना ने ग्वारी कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि जब पुलिस पिकेट के पास इतना बड़ा अपराध हो सकता है तो आम लोग खुद को कितना सुरक्षित मानें।

दिल्ली दंगा केस में उमर खालिद-शरजील इमाम को राहत नहीं

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने संकेत दिया कि आदेश शुक्रवार के दौरान या फिर 25 मई को सुनाया जा सकता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने साफ कहा कि दोनों आरोपियों को जमानत से इनकार इसलिए नहीं किया गया क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 21 को कम महत्व दिया गया, बल्कि उनके कथित रोल और मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया था।

कोर्ट ने हालिया टिप्पणियों पर जवाब देने से किया इनकार

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि वह हालिया फैसलों में की गई टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले में कानूनी पहलुओं को व्यापक स्तर पर देखने की जरूरत है। कोर्ट की इस टिप्पणी को यूएपीए मामलों में बेल को लेकर भविष्य की सुनवाई के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

अदालत ने एक अहम कानूनी सवाल को बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। यह सवाल इस बात से जुड़ा है कि क्या लंबे समय तक जेल में रहना और ट्रायल में देरी,जैसे सख्त कानूनों के तहत जमानत पर लगी कानूनी पाबंदियों को पीछे छोड़ सकती है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी बी वराले की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत और अधिकारिक फैसला जरूरी है। अदालत ने मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के पास भेजते हुए उचित बड़ी बेंच गठित करने का निर्देश दिया।

दो आरोपियों को छह महीने की अंतरिम जमानत

दिल्ली दंगा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तस्लीम अहमद और खालिद सैफी को छह महीने की अंतरिम जमानत भी दी है। हालांकि अदालत ने इसके साथ सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी किसी भी शर्त का उल्लंघन करते हैं, तो अभियोजन पक्ष उनकी जमानत रद्द कराने की मांग कर सकता है।

2020 दिल्ली दंगों से जुड़ा है मामला

यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से जुड़ा है, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और बड़े पैमाने पर हिंसा व आगजनी हुई थी।

उमर खालिद और शरजील इमाम समेत कई आरोपियों पर यूएपीए और अन्य गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किए गए थे। जांच एजेंसियों का आरोप है कि दंगों के पीछे कथित साजिश रची गई थी, जबकि आरोपी पक्ष लगातार इन आरोपों को राजनीतिक और निराधार बताता रहा है।

कॉकरोच जनता पाटी के संस्थापक अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकी

» बीपीएस न्यूज

सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रही व्यंग्यात्मक डिजिटल मुहिम कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली है। इस संबंध में दीपके ने खुद अपने आधिकारिक ङ्क अकाउंट पर जानकारी साझा करते हुए व्हाट्सऐप पर मिले धमकी भरे संदेशों के स्क्रीनशॉट पोस्ट किए हैं।दीपके के मुताबिक यह धमकी उन्हें व्हाट्सऐप के जरिए भेजी गई। स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यह मामला तेजी से वायरल हो गया है और उनके समर्थकों में नाराजगी बढ़ गई है। कई यूजर्स ने मामले की जांच और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग उठाई है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अभिजीत दीपके के माता-पिता पहले ही उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जता चुके हैं। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहने वाले उनके पिता भगवान दीपके और मां अनीता दीपके ने हाल ही में एक मराठी न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि उन्हें डर है कि उनका बेटा किसी बड़ी मुसीबत में फंस सकता है या गिरफ्तार किया जा सकता है।

COCKROACH JANATA PARTY CJP छोटा जीव, बड़ा बदलाव

इससे पहले अभिजीत दीपके ने भी एक इंटरव्यू में भारत लौटने पर गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। अब जान से मारने की धमकी मिलने के बाद यह मामला और गंभीर हो गया है।गौरतलब है कि बोस्टन यूनिवर्सिटी के छात्रअभिजीत दीपके ने करीब एक सप्ताह पहले ' की शुरुआत की थी। देखते ही देखते इस डिजिटल अभियान के इंस्टाग्राम पर 20.4 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हो गए।यह मुहिम भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की उस टिप्पणी के बाद चर्चा में आई थी, जिसमें उन्होंने एक वकील के संदर्भ में परजीवी÷ और ÷कॉकरोच÷ जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया था कि उनकी टिप्पणी का गलत अर्थ निकाला गया और उनका इशारा केवल फर्जी डिग्री के जरिए वकालत में आने वाले लोगों की ओर था।

विनेश फोगाट को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की इजाजत दी जाए।दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फटकार लगाई। डब्ल्यूएफआई ने पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। कोर्ट ने केंद्र से कहा कि विशेषज्ञों की टीम बनाकर विनेश की स्थिति का मूल्यांकन किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वह ट्रायल में हिस्सा ले सकें।

चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि फोगाट को आने वाले एशियन गेम्स के सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी जाए। विनेश मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करना चाहती हैं।

पीठ ने टिप्पणी की कि डब्ल्यूएफआई का शीर्ष खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति देने की पूर्व प्रथा पर नहीं चलना 'बहुत कुछ कहता है'।पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश में मातृत्व का जश्न मनाया जाता है और संघ को 'प्रतिशोध' की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए।

डॉक्टर की सलाह के बिना आंखों पर आई ड्राप का इस्तेमाल करना पड़ सकता है भारी, हो जायें सावधान

अक्सर होता है कि कोई भी समस्या शरीर में आती हैं, तो हम सभी डॉक्टर को दिखाने से पहले मेडिकल स्टोर पर दवाई खरीद लेते हैं। जब भी आंखों में कोई तकलीफ होती है या फिर खुजली व जलन होती है, तो सीधे मेडिकल स्टोर पर जाकर आई ड्रॉप्स खरीद कर आंखों में डाल देते हैं, लेकिन क्या जानते हैं कि आई स्पेशलिस्ट एक्सपर्ट ने बताया है कि यह छोटी-सी आदत आपकी आंखों के लिए खतरनाक हो सकती है।

कोई भी लक्षण मामूली नहीं है

आंखों में होने वाली कोई भी समस्या एक जैसी नहीं होती है। खासतौर पर सामान्य एलर्जी, बैक्टीरियल या वायरल इन्फेक्शन हो सकता है या फिर ड्राई आई सिंड्रोम, कॉर्निया में चोट और 'ग्लूकोमा' जैसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। सिर्फ ऊपर से लक्षण देखकर अपनी मर्जी से दवा लेने से असली बीमारी छिप सकती है और स्थिति आगे चलकर और भी ज्यादा जटिल हो सकती है।

स्टेरॉयड वाले आई ड्रॉप्स से बड़ा नुकसान

तुरंत राहत, पर छिपा हुआ खतरा- ये दवाइया आंखों की लाली और सूजन को जल्दी कम कर देती हैं, जिससे रोगी को ऐसा महसूस होता है कि समस्या पूरी तरह ठीक हो गई है, जबकि अंदरूनी परेशानी अभी भी बनी रह सकती है।

गंभीर बीमारियों का खतरा- बिना डॉक्टर की निगरानी के इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करने से आंखों का दबाव बढ़ सकता है। यह 'ग्लूकोमा' और 'मोतियाबिंद' जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा उत्पन्न करती है।

इन्फेक्शन का बिगड़ना

यदि आपको आंख पहले से कोई इन्फेक्शन है और उस पर स्टेरॉयड डाल दिया जाए, तो वह इन्फेक्शन और भी भयंकर रुप ले लेगी।

एंटीबायोटिक और 'रेडनेस रिलीफ' ड्रॉप्स का सच

एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल- हर बार आंख लाल होने या चिपचिपी होने का मतलब बैक्टीरियल इन्फेक्शन नहीं होता है। उदाहरण के तौर पर वायरल कंजंक्टिवाइटिस में एंटीबायोटिक बिल्कुल बेअसर होते हैं। इसका उपयोग न करें।

रेडनेस रिलीफ ड्रॉप्स

इस तरह की ड्रॉप्स आंखों की वाहिकाओं को सिकोड़ कर कुछ समय के लिए आराम देता है। इनका बार-बार इस्तेमाल करने से आंखों में और रिबाउंड रेडनेस और ड्राइनेस आ सकती है।

क्या लुब्रिकेटिंग ड्रॉप्स एकदम सेफ हैं?

कई लोग ÷आर्टिफिशियल टीयर्स÷ या लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स को बिल्कुल सेफ समझते हैं। लेकिन यदि आपको इनका उपयोग बार-बार करना पड़ रहा है तो नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। लगातार आंखों में सूखापन किसी छिपी हुई समस्या या बीमारी का संकेत भी हो सकता है। साथ ही, कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को विशेष सतर्कता रखनी चाहिए, क्योंकि गलत प्रकार की ड्रॉप्स का इस्तेमाल कॉर्निया को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है।

डॉक्टर कब दिखाएं?

आंखों में बहुत तेज दर्द होना।
अधिक रोशनी आंखों में चुभना या धुंधला दिखाई देना।
आंख में चोट लगना या पस आना।

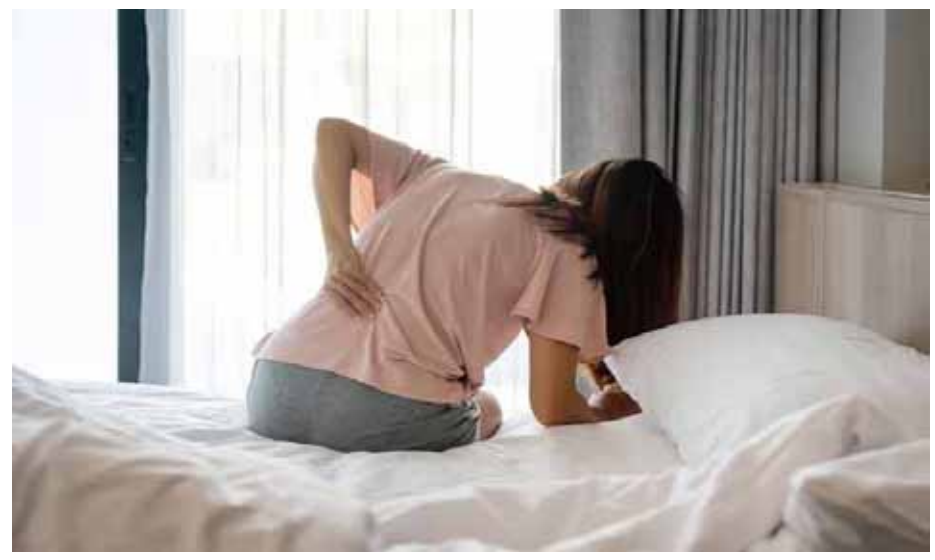

क्या आपको भी होने लगता सुबह उठते कमर दर्द

शरीर की इस चेतावनी को न करें अनदेखा, वरना पड़ेगा पछताना

सुबह नींद खुलते ही अगर आपकी कमर में दर्द या जकड़न महसूस होती है, तो यह सिर्फ थकान नहीं हो सकती है। अक्सर हमारा शरीर किसी बड़ी समस्या से पहले छोटे-छोटे संकेत देता है। सुबह का कमर दर्द भी ऐसा ही एक अहम संकेत हो सकता है, जिसे अनदेखा करना ठीक नहीं है। ऐसे में डॉ. गौरव बत्रा न्यूरोसर्जन (मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी) ने बताया कि सुबह उठते ही पीठ में दर्द होना बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सुबह कमर दर्द होने के मुख्य कारण

गलत सोने की मुद्रा

अगर आप पेट के बल सोते हैं या आपकी सोने की पोज़िशन सही नहीं है, तो रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे कमर और गर्दन में दर्द हो सकता है।

खराब गद्दा और तकिया

बहुत सख्त या बहुत नरम गद्दा रीढ़ को सही सपोर्ट नहीं देता। इसी तरह गलत तकिया भी गर्दन और कमर दर्द की वजह बन सकता है।

लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहना

6-8 घंटे लगातार एक ही पोज़िशन में सोने से मांसपेशियां और जोड़ अकड़ जाते हैं, जिससे सुबह उठते समय दर्द महसूस होता है।

स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं

अगर दर्द लंबे समय तक बना रहता है, तो यह मांसपेशियों में खिंचाव, स्लिप डिस्क, गठिया यानी आर्थराइटिस या सूजन जैसी समस्याओं का संकेत हो सकता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर कमर दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा बना रहे, दर्द पैरों तक फैलने लगे, सुन्नपन या कमजोरी महसूस हो, या दर्द बहुत तेज हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

कमर दर्द से बचने के आसान उपाय

सही सपोर्ट वाला गद्दा और तकिया इस्तेमाल करें।

सोने की सही मुद्रा अपनाएं, जैसे करवट लेकर या पीठ के बल सोना।

नियमित रूप से हल्का व्यायाम और स्ट्रेचिंग करें।

अपने वजन को नियंत्रित रखें।

सही पोस्चर में बैठें और खड़े हों।

कोर मसल्स यानी पेट और कमर की मांसपेशियां को मजबूत बनाने वाले व्यायाम करें।

आपका शरीर हमेशा किसी बड़ी परेशानी से पहले संकेत देता है। सुबह उठते ही होने वाला कमर दर्द भी ऐसा ही एक चेतावनी संकेत हो सकता है।

समय रहते ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। अपनी दिनचर्या और सोने की

आदतों में छोटे-छोटे बदलाव करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

बेली डांस की दुनिया में उभरती नृत्यांगना रोशनी ठाकुर

अपनी मेहनत और लगातार अभ्यास के दम पर रोशनी ठाकुर आज बेली डांस की दुनिया में तेजी से उभरता हुआ नाम बन चुकी हैं। उनका डांस स्टाइल बेहद आकर्षक और ऊर्जा से भरपूर माना जाता है। अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास, मेहनत और शानदार डांसिंग स्टाइल के दम पर उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाखों लोगों का दिल जीता है। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता है और यही वजह है कि आज उनके लाखों फॉलोवर्स हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया स्टार एल्विश यादव और अभिनेता करण वीर बोहरा जैसे कलाकारों की ओर से भी उन्हें डांस वीडियो के प्रस्ताव मिले। हालांकि रोशनी हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जहां उनकी कला को एक नया और अलग मंच मिल सके।

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) की मूल निवासी रोशनी ठाकुर बचपन से ही डांस के प्रति बेहद जुनूनी थीं। हालांकि वह हमेशा कुछ अलग और हटकर करना चाहती थीं। इसी सोच ने उन्हें अरेबिक डांस फॉर्म 'बेली डांस' की ओर आकर्षित किया। उन्होंने भारत की प्रसिद्ध बेली डांसर मेहर मलिक से भी डांस की बारीकियां सीखीं। बेली डांस को भारत में लोकप्रिय बनाने में मेहर मलिक का बड़ा योगदान माना जाता है। रोशनी ठाकुर को 'मिस एशियन सुपर मॉडल' जैसे प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें कई मंचों पर अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के हाथों सम्मान प्राप्त करना उनके करियर की खास उपलब्धियों में शामिल है। डांस के साथ-साथ रोशनी अभिनय में भी काफी रुचि रखती हैं। उन्होंने एक्टिंग क्लासेज भी जॉइन की हैं और अभिनय कला में खुद को निखारा है।

बांग्ला इंडस्ट्री में काम करने के बाद रोशनी ने अपने सपनों को नई उड़ान देने के लिए मायानगरी मुंबई का रुख किया। उनका मानना है कि जो लोग भीड़ से अलग रास्ता चुनते हैं, उन्हें संघर्ष जरूर करना पड़ता है, लेकिन अगर इंसान अपनी कला और मेहनत पर विश्वास रखे तो सफलता जरूर मिलती है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें आने वाले समय में फिल्मों, वेब सीरीज़ और म्यूजिक वीडियो के लिए एक मजबूत चेहरा बनाती है। रोशनी का सपना है कि बेली डांस को भारत में एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया जाए। वह फिल्मों, म्यूजिक वीडियो और आइटम सॉन्ग्स में ऐसा नया डांस रूप प्रस्तुत करना चाहती हैं, जो दर्शकों को कुछ अलग अनुभव दे। फिलवक्त रोशनी ठाकुर लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वह लगातार अपनी कला को निखारने में जुटी हैं और आने वाले समय में मनोरंजन जगत में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का धमाकेदार टाइटल ट्रैक रिलीज

फिरोज नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बनी 'वेलकम टू द जंगल' का धमाकेदार टाइटल ट्रैक जंगली म्यूज़िक (टाइम्स म्यूज़िक का एक डिविज़न) ने रिलीज़ कर दिया है। गाने में अक्षय कुमार, दिशा पाटनी, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और परेश रावल समेत एक विशाल स्टार कास्ट शानदार अंदाज़ में मस्ती और डांस करती हुई नज़र आ रही है। फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल 'वेलकम टू द जंगल' के टाइटल ट्रैक को पहले साजिद-वाजिद ने कंपोज़ किया था, जिसे अब विक्रम मोंट्रोस ने नए अंदाज़ में रीक्रिएट किया है। गाने में शब्बीर अहमद के ओरिजिनल लिरिक्स के साथ मेघा बाली के नए बोल जोड़े गए हैं, जो इसे एक ऐसा एंथम बनाते हैं जिसे सुनते ही माहौल बन जाए। इस फिल्म का पूरा साउंडट्रैक छह बड़े और भव्य गानों से सजा है, जिनमें ग्रूव एंथम, ग्लैमरस डांस नंबर और सिनेमैटिक सेट पीसेज़ शामिल हैं। यह एल्बम 'वेलकम' फ्रेंचाइज़ी की म्यूज़िकल विरासत को शानदार तरीके से आगे बढ़ाता है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता और कई बड़े सितारे नज़र आने वाले हैं। इतनी बड़ी स्टारकास्ट के साथ यह फिल्म बॉलीवुड की सबसे भव्य एंटरटेनर फिल्मों में से एक मानी जा रही है, और इसका म्यूज़िक भी उसी स्तर का बनाया गया है।अहमद खान के निर्देशन में फिरोज नाडियाडवाला द्वारा निर्मित बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इस साल की सबसे बड़ी कॉमेडी एंटरटेनर फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म का टाइटल ट्रैक अब सभी बड़े ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर जंगली म्यूज़िक के जरिए स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका पूरा वीडियो टाइम्स म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है।

हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी रोडवेज बस, महिला समेत तीन घायल

हंसेमऊ गांव के पास हादसे से मची चीख-पुकार, गंभीर घायल जिला अस्पताल रेफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी हाईवे पर शुक्रवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेज रफ्तार रोडवेज बस हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के हंसेमऊ गांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर भगदड़ जैसे हालात बन गए। दुर्घटना में महिला समेत तीन यात्री घायल हो गए। राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां पहुंचाया गया, जहां एक घायल की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार औरैया निवासी गोविन्द शुक्ला (45), झांसी निवासी अनीता पांडेय (35) और सोनू (20) रोडवेज बस से झांसी से कानपुर की ओर जा रहे थे। देर रात बस जैसे ही हंसेमऊ गांव के निकट पहुंची, चालक को सड़क किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं लग सका और बस सीधे ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। हादसे के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। कई यात्री सीटों से उछलकर गिर पड़े।टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला और तत्काल एंबुलेंस व निजी वाहनों की मदद से सीएचसी पुखरायां पहुंचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. आरती सिंह ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने गोविन्द शुक्ला की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार सीएचसी में किया गया। घटना की सूचना मिलने पर भोगनीपुर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और दुर्घटनाग्रस्त बस व ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे के कारण कुछ समय तक हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिकों हेतु निर्धारित सुविधाओं के शत-प्रतिशत अनुपालन के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों से जुड़े मुद्दों और श्रम कानूनों के अनुपालन को लेकर आयुक्त, कानपुर मंडल एवं निदेशक उद्योग उत्तर प्रदेश श्री के. विजयेंद्र पांडियन ने गुरुवार को कानपुर नगर तथा कानपुर देहात के उद्यमियों के साथ बैठक की। आयुक्त कैंप सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कंपनियां शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी दरों, समय पर वेतन भुगतान और श्रमिकों से संबंधित समस्त सेवा शर्तों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें।बैठक में आयुक्त ने कहा कि श्रमिक किसी भी उद्योग की आधारशिला होते हैं और उनके हितों की रक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि अप्रैल 2026 से लागू न्यूनतम मजदूरी दरों के अनुसार प्रत्येक श्रमिक को उसकी श्रेणी के अनुरूप भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए।आयुक्त ने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निर्देशित किया कि न्यूनतम मजदूरी दरों की सूचना नोटिस बोर्ड पर स्पष्ट रूप से चस्पा की जाए, जिससे श्रमिकों को अपने अधिकारों की जानकारी सहज रूप से मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 7 तारीख तक कर्मचारियों के वेतन का भुगतान बैंक खाते के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। बोनस भुगतान सहित अन्य वैधानिक दायित्वों का भी समयबद्ध पालन किया जाए।बैठक में ओवरटाइम भुगतान को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि अतिरिक्त कार्य लेने की स्थिति में कर्मचारियों को नियमानुसार दोगुनी दर से भुगतान किया जाए। साथ ही साप्ताहिक अवकाश, सार्वजनिक अवकाश और सीएल, ईएल सहित अन्य अनुमन्य अवकाशों का भी पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को वेतन भुगतान के साथ पे-स्लिप अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा ईएसआईसी और ईपीएफ कटौती एवं अंशदान का स्पष्ट विवरण दिया जाए, जिससे कर्मचारी स्वयं अपने खातों का सत्यापन कर सकें।औद्योगिक शांति बनाए रखने पर जोर देते हुए आयुक्त ने उद्यमियों से श्रमिकों के साथ नियमित और सकारात्मक संवाद बनाए रखने की अपेक्षा की। उन्होंने प्रत्येक औद्योगिक इकाई में शिकायत पेटिका स्थापित करने तथा शिकायतों के समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर श्रमायुक्त उत्तर प्रदेश जुनैद अहमद, क्षेत्रीय अपर श्रमायुक्त पी.के. सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग सुनील कुमार, उपायुक्त उद्योग, सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जहर खाने से युवक की हालत बिगड़ी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। थाना सजेती क्षेत्र के बिलगवां गांव निवासी शिवम (20) ने किसी कारणवश जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सीएचसी पुखरायां लेकर पहुंचे। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. आरती सिंह ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। हालत में सुधार न होने पर उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से महिला समेत दो घायल

» बीपीएस न्यूज

रसूलाबाद, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। बिक्की सवार युवक के गलत तरीके से ओवरटेक करने के चलते बाइक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। हादसे में महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि युवक को भी चोटें आईं।

जानकारी के अनुसार औरैया जनपद के बिधूना थाना क्षेत्र के इनपामऊ सहार निवासी अनवार अपनी पत्नी अंजुम के साथ बाइक से रौगांव जा रहे थे।

बताया गया कि जैसे ही वे लालू बाजार के निकट पहुंचे, तभी एक बिक्की सवार युवक ने तेजी से गलत दिशा से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बाइक बिक्की से टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।

हादसे के तुरंत बाद पीछे से आ रहा ट्रैक्टर बाइक सवार महिला अंजुम के पैर पर चढ़ गया, जिससे उनका पैर बुरी तरह कुचल गया और फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। । चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया, जबकि घायल युवक का उपचार सीएचसी में किया गया। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

बिठूर के कुम्हार बना रहे नए दौर की मिट्टी की गुल्लकें

अब सिर्फ सिक्के नहीं, बचपन की यादें भी सहेजेगी गुल्लक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कभी दादी-नानी के दिए सिक्कों की रखवाली करने वाली मिट्टी की गुल्लक अब नए रंग और डिजाइन में लौट रही है। फर्क बस इतना है कि इस बार बिठूर के कुम्हारों के साथ आईआईटी कानपुर भी जुड़ गया है। जिला प्रशासन की पहल पर पारंपरिक माटीकला को आधुनिक डिजाइन, रंग तकनीक और बाजार से जोड़ते हुए मिट्टी की गुल्लकों को नए स्वरूप में तैयार किया जा रहा है।

हाल के दिनों में गुल्लक को लेकर कानपुर में हुई चर्चाओं के बाद जिला प्रशासन ने इसे केवल बचत का साधन नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और स्थानीय कला से जुड़े सामाजिक अभियान के रूप में आगे बढ़ाने की पहल शुरू की है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि गुल्लक केवल मिट्टी का पात्र नहीं होती, बल्कि यह बचपन, परिवार और बचत की संस्कृति से जुड़ा भावनात्मक प्रतीक है। कभी छोटे-छोटे उपहार और रुपये बच्चे बड़ी आत्मीयता से अपनी गुल्लक में सहेजकर रखते थे। वही आदत आगे चलकर आर्थिक अनुशासन और बचत की सीख देती थी।

डीएम ने कहा कि आज समाज में अनावश्यक खर्च बढ़ रहे हैं और बचत की आदत कमजोर होती जा रही है। ऐसे समय में बच्चों को बचत का संस्कार देने के लिए गुल्लक एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। इसी सोच के साथ प्रशासन इसे जनजागरूकता आधारित अभियान के रूप में विकसित कर रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल पारंपरिक गुल्लकों को पुनर्जीवित करना नहीं, बल्कि स्थानीय कारीगरों को आधुनिक बाजार और तकनीक से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि बिठूर की माटीकला को नई पहचान दिलाने के लिए डिजाइन, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर विशेष रूप से काम किया जा रहा है।

आईआईटी कानपुर के रंजीत सिंह रोजी शिक्षा केन्द्र प्रोजेक्ट के तहत बिठूर के माटीकला कारीगरों को तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। आईआईटी में परियोजना की कॉर्डिनेटर रीता सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल एक उत्पाद विकसित करना नहीं, बल्कि पारंपरिक कला, स्थानीय कारीगरों और बच्चों के बीच भावनात्मक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव स्थापित करना भी है। उन्होंने कहा कि यदि पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक डिजाइन और बाजार की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाए तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं।

प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर शिखा तिवारी ने बताया कि कारीगरों को आधुनिक बाजार की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं सिरामिक डिजाइनर शैली संगल बच्चों की पसंद और आधुनिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए गुल्लकों के नए डिजाइन तैयार कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में रंग संयोजन, फिनिशिंग तकनीक और आकर्षक प्रस्तुतीकरण पर भी काम किया जा रहा है।

बिठूर के कुम्हार राम रतन ने बताया कि पहले मिट्टी की गुल्लकों की मांग लगातार कम होती जा रही थी, लेकिन अब नए डिजाइन आने के बाद लोगों की रुचि फिर बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए कार्टून, पशु-पक्षी और पारंपरिक आकृतियों वाली गुल्लकें तैयार की जा रही हैं। इससे कारीगरों को भी नई उम्मीद मिली है।

जिलाधिकारी ने बताया कि इन गुल्लकों को सरकारी कार्यक्रमों में स्मृति-चिह्न और उपहार के रूप में भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे एक ओर स्थानीय कारीगरों को रोजगार और नई पहचान मिलेगी, वहीं दूसरी ओर बिठूर की पारंपरिक माटीकला को भी नया बाजार प्राप्त होगा।

गोबर के ढेर में लगी आग, रिपेयरिंग के लिए खड़ी कार जलकर राख

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अहरौली मोड़ के समीप नेशनल हाईवे किनारे लगे गोबर के ढेर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास में रिपेयरिंग के लिए खड़ी एक कार को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कार जलकर राख हो गई। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि जब तक फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में सफल होती, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

दलदल बनी सड़क पर धंसा वाटर टैंकर, चेतावनी बोर्ड न होने के कारण गाड़ियां धंसना आम बात

कानपुर। काकादेव कुलवंती रोड शोभा टावर तिराहे पर गुरुवार को सड़क पर पानी का छिड़काव करने वाला वाटर टैंकर दलदली रोड पर धंस गया इसे निकालने के लिए प्रयास किया गया।आपको बता दें कि महीनो पहले देवकी चौराहे से कुलवंती रोड तक गहरी सिविल लाइन डालने का कार्य शुरू किया गया था बरसात में या सड़क खुदाई के कारण दलदल बन गई थी अति व्यस्त सड़क होने के कारण वाहनों का निकलना दुश्वार हो गया था वहीं कई बाइक सवार फिसल कर गिरने से चोटिल हो गए थे। कार्य में देरी होने के कारण नगर निगम ने कंपनी को फटकार लगाते हुए कार्य पूर्ण होने के बाद ही इस तिराहे पर खोदाई करने के लिए कहा था।इसके बाद कंपनी ने इस चौराहे पर खुदाई कर सीवर लाइन जोड़ी और ऊपर से मिट्टी का भराव कर दिया जिसमें आए दिन चार पहिया गाड़ियां धंसने लगीं कोई बेरी कटिंग और चेतावनी बोर्ड न होने के कारण गाड़ियां धंसना आम बात हो गई जिसे राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आज सड़क पर पानी का छिड़काव कर रहे वाटर टैंकर का अगला हिस्सा इस दलदल में धंस गया।कई महीनो से खुदी सड़क पर चलती गाड़ियों से उड़ने वाली धूल आसपास के घरों में डेरा डाले हुए हैं घरों में उड़ती धूल ने लोगों का सांस लेना दुश्वार कर दिया है। लोग दमे का शिकार हो रहे हैं । कई बार शिकायत के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

गरीब बेटियों के हाथ पीले करेगी योगी सरकार, उठाएगी पूरा खर्च सरकार

कानपुर। आर्थिक तंगी अब गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में बाधा नहीं बनेगी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के जरिए योगी सरकार जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह का खर्च उठा रही है। इसी क्रम में कानपुर नगर में बड़े स्तर पर सामूहिक विवाह समारोह की तैयारी शुरू हो गई है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में योजना की तैयारियों, आवेदन, सत्यापन और आयोजन व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सामूहिक विवाह समारोह गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित और भव्य तरीके से आयोजित किया जाए तथा पात्र परिवारों को समय से योजना का लाभ मिले।

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद को 1534 विवाहों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके सापेक्ष अब तक 542 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें 509 आवेदन ग्रामीण क्षेत्र तथा 33 आवेदन शहरी क्षेत्र से आए हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन पत्रों का सत्यापन समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

योजना के तहत प्रति जोड़ा कुल एक लाख रुपये व्यय निर्धारित है। इसमें 60 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से कन्या के खाते में अंतरित किए जाएंगे। इसके अलावा 25 हजार रुपये मूल्य की वैवाहिक उपहार सामग्री दी जाएगी, जबकि भोजन, पंडाल, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था जैसी व्यवस्थाओं पर 15 हजार रुपये प्रति जोड़ा खर्च किए जाएंगे।योजना के अंतर्गत नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी के लिए आवश्यक उपहार सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें साड़ी, कपड़े, चांदी की पायल और बिछिया, डिनर सेट, कुकर, कढ़ाही, ट्रॉली बैग, वैनिटी किट, सीलिंग फैन, आयरन प्रेस, कूल केज, कंबल, गद्दा, तकिया और बेडशीट समेत अन्य सामग्री शामिल रहेगी।योजना में निराश्रित, निर्धन और जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। विधवा, परित्यक्ता तथा कानूनी रूप से तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री तथा स्वयं दिव्यांग कन्या को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

विवाह तिथि से एक सप्ताह पहले तक कर सकेंगे आवेदन

योजना के लिए आवेदन https://cmsvy.upsdc.gov.in? पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा सकता है। निर्धारित विवाह तिथि से एक सप्ताह पूर्व तक जनसुविधा केंद्र, लोकवाणी केंद्र, इंटरनेट कैफे अथवा अन्य ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किए जा सकते हैं। आवेदन के बाद आय, जाति, उम्र और अन्य अभिलेखों का परीक्षण किया जाता है तथा बीडीओ, ईओ अथवा नगर निगम स्तर पर भौतिक सत्यापन कराया जाता है।

एससी-एसटी वर्ग की शिकायतों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: नीरज गौतम

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के दिए सख्त निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मा0 सदस्य, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग नीरज गौतम की अध्यक्षता में जनपद भ्रमण कार्यक्रम के तहत आज सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से संबंधित प्रकरणों, जन शिकायतों एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

बैठक के दौरान मा0 सदस्य नीरज गौतम ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पीड़ितों की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा उदासीनता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति भेजी जाएगी।

उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

मा0 सदस्य ने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संवेदनशील मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में सदस्य दिशा राज्य स्तरीय समिति उ0प्र0 राजू वाल्मीकि, सुनील बाल्मीकि, भोला हजारिया, डॉ0 जावेद खान, जीतू यादव, संतोष कनौजिया, विजय मिश्रा सहित अभय तांबे उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के उपरांत मा0 सदस्य नीरज गौतम ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, कल्याणपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, छात्रावास, भोजनालय, रसोईघर, कक्षाओं एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मा0 सदस्य ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, भोजन, आवास एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था तथा भोजन की गुणवत्ता को विशेष रूप से परखा गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रावास में रहने वाले बच्चों को शासन द्वारा निर्धारित सभी सुविधाएं समय से एवं गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध कराई जाएं।

निरीक्षण के दौरान कुछ व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आश्रम पद्धति विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं समाज के वंचित वर्ग से आते हैं, इसलिए उनकी शिक्षा, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मार्बल टाइल्स के व्यापारियों ने बढ़ती मँहगाई को लेकर कही मन की बात

रेट बढ़ जाने के कारण कस्टमर आता है, रेट पूछता है और चला जाता है

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। मार्बल टाइल्स के व्यापारियों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मोरबी गुजरात में गैस के रेट बढ़ जाने के कारण टाइल्स में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी कर दी गई है। चुनिंदा ही व्यापारी इस समय व्यापार कर रहे हैं, किदवई नगर मार्बल मार्केट उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी मार्केट है, जहां लगभग छोटे-बड़े मिलाकर 500 व्यापारी मार्बल टाइल्स का व्यापार करते हैं। हजारों की संख्या में मजदूर ऑटो वाले रिक्शा वाले सीधे दुकान से जुड़े हैं। रेट बढ़ जाने के कारण कस्टमर आता है, रेट पूछता है और चला जाता है।

मोरबी गुजरात में टाइल्स के रेट बढ़ जाने के कारण बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है।

पवन कुमार गौड़ प्रदेश अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसो

व्यापारी वर्ग इससे बहुत परेशान है लगभग 5000 मजदूरों को भी रोजी-रोटी का संकट परेशान कर रहा है।

मोरबी गुजरात से टाइल्स आता है। टाइल्स फैक्ट्री को गैस में रेट बढ़ाकर मिल रहा है। जिस कारण हम सभी व्यापारियों को रेट में बढ़ोतरी करके माल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसके कारण टाईल बिकने में बहुत दिक्कत आ रही है। अब खर्च निकालना मुश्किल हो गया है।

विजय कुमार सिंह -थोक टाइल्स विक्रेता
उपाध्यक्ष कानपुर दक्षिण उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसोसिएशन

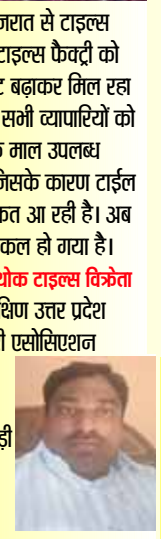

टाईल्स के कारोबार में अब बहुत बड़ी समस्या आ रही है। दुकान गोदाम कर्मचारियों का खर्च निकालना मुश्किल हो गया है।

आशीष गुप्ता उर्फ लालू - प्रदेश
कोषाध्यक्ष-उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसोसिएशन

हम राजस्थान से पत्थर थोक में लाते हैं। गाड़ी वालों ने बताया डीजल के रेट बढ़ जाने के कारण गाड़ी का भाड़ा भी बढ़ा दिया गया। जिससे मार्बल महंगा हो गया। लेवर मजदूर को भी काम मिलने में दिक्कत आ रही है।

विशाल ओमर उर्फ मोनू गुप्ता
प्रदेश उपाध्यक्ष-उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसोमार्बल टाइल व्यापारी एसोसिएशन

अनूप गुप्ता उर्फ सोनू - सदस्य
उत्तर प्रदेश मार्बल टाइल व्यापारी एसो

मंदिरों से मोहल्लों तक पहुंची जनगणना टीम, शुरू हुई भवनों की गिनती

- इस्कॉन टेम्पल, कुष्मांडा मंदिर और बाणेश्वर महादेव मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों का हुआ सूचीकरण
- 20 जून तक चलेगा अभियान, 10621 प्रगणक और सुपरवाइजर जुटे

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत शुक्रवार से जनपद में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य शुरू हो गया। सुबह से ही प्रगणक गांवों, मोहल्लों और बाजारों में पहुंच गए। कहीं मकानों पर नंबर लिखे गए तो कहीं मंदिर, धर्मशाला, होटल और दुकानों का विवरण दर्ज किया गया। अब 20 जून तक जनपद के प्रत्येक वार्ड और गांव में भवनों एवं परिवारों से जुड़ी सूचनाएं संकलित की जाएंगी। पूरे अभियान के लिए जनपद में 10621 प्रगणक एवं सुपरवाइजर लगाए गए हैं।

आज विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों का भी सूचीकरण किया गया। प्रगणकों ने इस्कॉन टेम्पल, कुष्मांडा मंदिर घाटमपुर सहित विभिन्न मंदिरों का विवरण दर्ज किया। नगर पालिका परिषद घाटमपुर के वार्ड गांधी नगर स्थित प्राचीन बाणेश्वर महादेव मंदिर का मकान सूचीकरण भी निर्धारित प्रारूप के अनुसार किया गया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्वगणना का चरण समाप्त हो चुका है और अब प्रगणक निर्धारित प्रारूप के अनुसार घर-घर जाकर जानकारी संकलित कर रहे हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे प्रगणकों का सहयोग करें और मांगी गई सूचनाएं सही रूप में उपलब्ध कराएं।उन्होंने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में भवनों की गणना की जा रही है। इसमें भवन की स्थिति, उसका उपयोग, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन तथा उपलब्ध सुविधाओं सहित कुल 33 प्रकार की सूचनाएं दर्ज की जाएंगी। इस चरण में आवासीय भवनों के साथ मंदिर, धर्मशाला, होटल, दुकान तथा अन्य संस्थानों का भी विवरण संकलित किया जा रहा है।

इसके बाद फरवरी 2027 में दूसरे चरण के अंतर्गत व्यक्तियों की गणना की जाएगी। सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के पास अधिकृत पहचान पत्र रहेगा।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि जनगणना देश की

विकास योजनाओं का आधार होती है। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रगणकों को सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना के दौरान मांगी जाने वाली सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाती हैं और किसी भी व्यक्ति से बैंक खाता, ओटीपी या अन्य वित्तीय जानकारी नहीं मांगी जाती है।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाये जाने को लेकर की गयी बैठक

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। आगामी पर्व बकरीद को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ0 विपिन ताडा द्वारा क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों एवं संबंधित जनमानस से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया।

बैठक के दौरान सभी जोन के पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों से आए

ष्ठरूसिटी, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, बिजली विभाग (केस्को) तथा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक कार्य समय से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं, जिससे त्योहार के दिन किसी प्रकार की असुविधा अथवा अवरोध उत्पन्न न हो।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि त्योहार के दृष्टिगत क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जाए, ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

वेतन व ओवरटाईम में कटौती को लेकर महिलाओं ने सड़क घेर कर किया विरोध

» बीपीएस न्यूज़

कानपुर। प्राइवेट सेक्टर में निजले स्तर की नौकरी करना बहुत की कठिन है। नियम केवल दिखावे के लिए होते है, लेकिन पटल पर सच्चाई कुछ और ही होती है। सेलरी के नियमों में लाख वर्तमान सरकार ने संसोधन किया हो लेकिन आज भी लोग प्राइवेट कारखानों में 10 से 12 हजार तो दुकानो आदि में 6 हजार रू0 प्रतिमाह की सेलरी में 10 घंटें से ज्यादा काम कर रहे है। कुछ बडी दुकानों, गार्ड की नौकरी में तो 12 घंटे तक की नौकरी करना लोगों की मजबूरी बन गयी है। ऐसी ही स्थित थाना बिठूर क्षेत्र में देखने को मिली

जहां एक निजी फैक्ट्री के पुरूष व महिला कर्मचारी कम वेतन और ओवरटाईम का पैसा कम देने का विरोध किया गया।बता दें कि सरकारी नियमों को दरकिनार करते हुए बहुत कम सेलरी में लोगों को 8 से 12 घंटे काम करना पडता है। विभागीय सांठ-गांठ से यह खेल चलता है। चैराहो या बडी बजारो में ही नही गली मोहल्लो की दुकानों में भी छोटे-छोटे बच्चों को काम करते देखा जा सकता है। बालश्रम कानून के कानून ही बन कर रह गया। वहीं न्यूनतम सैलरी नियम का भी कहीं कोई पालन नही किया जा रहा है। महिलाऐं व पुरूष दो सौ-तीन सौ रू0 प्रतिदिन के हिसाब से 12 घंटे काम कर रहे है। दादा नगर, पनकी, फजलगंज, चमनगंज जैसे कई क्षेत्र जहां कारखारने है वहां खुलेआम श्रमिको की हक का हनन किया जा रहा है।इसी क्रम में थाना बिठूर क्षेत्र की एक निजी फैक्ट्र में महिला और पुरूष कर्मचारी सडकों पर उतर आये। उनका कहना था कि फैक्ट्री प्रबन्धन द्वारा उन्हे वेतन कम दिया जा रहा है वो वहीं ओवरटाईम के पैसे में भी कटौती की जा रही है। फैक्ट्री श्रमिकों द्वारा फैक्ट्री का घेराव कर प्रदर्शन किया गया और नारेबाजी की गयीं। हंगामें की सूचना पर पहुंची पुलिस ने श्रमिकों को किसी प्रकार शांत कराया तथा फैक्ट्री प्रबन्धन से बात करने का आश्वासन दिया। हंगामें के चलते लगे जाम को काफी देर में हटवाया जा सका।ढूइसी प्रकार गोल्डी मसाला फैक्ट्री के श्रमिकों ने भी वेतन वृद्धि को लेकर प्रदर्शन किया।

बाबा बड़े दयालू है — ओम नमः शिवायः — बाबा बड़े दयालू है

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders

ABDOMINAL BELT
WARM BAG
CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
COMPRESSOR NEBULIZER
ARM SLING POUCH
WRIST BAND
THERMOMETER
WRIST BINDER
STETHOSCOPE
SOFT CERVICAL COLLAR
KNEE CAP
ELBOW SUPPORT

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant

Since:1992

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।